घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 60- मंगलवार 30- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

अरावली केस...सुप्रीम कोर्ट का अपने ऑर्डर पर स्टे

पहले 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन को मंजूरी दी थी,अब रोक लगाई

21 जनवरी तक खनन भी नहीं होगा,राजस्थान सहित 4 राज्यों से जवाब मांगा...

नई दिल्ली,29 दिसम्बर 2025। अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी है। 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे, अब 21 जनवरी 2026 तक खनन पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी। कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा है। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत,न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एजी मसीह की वैकेशन बेंच ने अरावली केस की सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने निर्देश दिया है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें और उन पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई आगे की टिप्पणियां फिलहाल स्थगित रहेंगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया जाएगा। इन सिफारिशों में से एक में कहा गया है कि 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली पर्वतमाला माना जाए।

कोर्ट ने कहा...अदालत की टिप्पणियों का गलत अर्थ निकाला जा रहा...

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश ने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या अदालत के फैसले को लागू करने से पहले एक निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन जरूरी है, ताकि कई अहम सवालों पर स्पष्ट दिशा मिल सके।मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अदालत पहले ही यह संकेत दे चुकी है कि इन सवालों पर गहराई से विचार आवश्यक है। इसी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रस्ताव रखा है कि एक्सपर्ट्स की एक हाई पावर्ड कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करे और इन मुद्दों पर स्पष्ट सुझाव दे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की वैकेशन बेंच में मामले की सुनवाई चल रही है। जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली मानने की नई परिभाषा का विरोध हो रहा है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सीजेआई के वैकेशन कोर्ट में यह मामला पांचवें नंबर पर लिस्टेड था।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा...गलतफहमियां फैलाई जा रहीं...

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था।

अशोक गहलोत बोले...मंत्री जनता की इच्छा क्यों नहीं समझ पा रहे...

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा...हमें बहुत खुशी है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज स्थगन आदेश जारी किया है। हम इसका स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि सरकार भी जनता की इच्छा को समझेगी। चारों राज्यों की जनता,और वास्तव में पूरे देश की जनता,इस आंदोलन में शामिल हुई है। सड़कों पर उतरी है। विभिन्न रूपों में विरोध प्रदर्शन किया है। यह समझ से परे है कि मंत्री (पर्यावरण मंत्री) इसे क्यों नहीं समझ पा रहे हैं।

कांग्रेस ने वन-पर्यावरण मंत्री से इस्तीफा मांगा...

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा...इस मामले का और अधिक विस्तार से अध्ययन करने की आवश्यकता है। और याद दिलाया कि प्रस्तावित पुनर्परिभाषा का भारतीय वन सर्वेक्षण,सर्वोच्च न्यायालय की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति और स्वयं एमिकस क्यूरी ने विरोध किया था। रमेश ने पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग की। साथ ही कहा- यह फैसला पुनर्परिभाषा के पक्ष में उनके द्वारा दिए गए सभी तर्कों को खारिज करता है।

आरपी बलवान की याचिका पर केंद्र,राज्यों को नोटिस

हरियाणा के वन विभाग के रिटायर अधिकारी आरपी बलवान ने भी पिछले सप्ताह केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पहले से चल रहे गोदावर्मन मामले में याचिका दाखिल की, जिस पर कोर्ट ने केंद्र,राजस्थान, हरियाणा सरकार और पर्यावरण मंत्रालय को नोटिस जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट शीतकालीन अवकाश के बाद इस मामले में सुनवाई करेगा।

उन्नाव रेप केस..सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप की जमानत पर लगाई रोक

चीफ जस्टिस बोले...जज से भी गलती हो सकती है,पीड़ित रोई,कहा...फांसी दिलाऊंगी

उन्नाव,29 दिसम्बर 2025। उन्नाव रेप केस में रेपिस्ट पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट ने सेंगर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा। मामले में 4 हफ्ते बाद सुनवाई होगी। सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को जमानत दी थी। जमानत के खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में 3 दिन पहले याचिका लगाई थी। सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में सुनवाई हुई। बेंच ने दोनों पक्षों की करीब 40 मिनट तक दलीलें सुनीं। चीफ जस्टिस ने कहा- हाईकोर्ट के जिन जजों ने सजा सस्पेंड की,वे बेहतरीन जजों में गिने जाते हैं,लेकिन गलती किसी से भी हो सकती है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- कोर्ट को लगता है कि मामले में अहम सवालों पर विस्तार से विचार जरूरी है। आमतौर पर कोर्ट का सिद्धांत है कि किसी दोषी या विचाराधीन कैदी को रिहा कर दिया गया हो, तो बिना उसे सुने ऐसे आदेशों पर रोक नहीं लगाई जाती,लेकिन इस मामले में परिस्थितियां अलग हैं। क्योंकि आरोपी दूसरे मामले में पहले से दोषी ठहराया जा चुका है।

पीड़ित फूट-फूटकर रोई...

इधर,सुप्रीम कोर्ट का आदेश सुनते ही पीड़िता फूट-फूटकर रोने लगी। एक्टिविस्ट योगिता भैयाना और अन्य महिलाओं ने उसे संभाला। इसके बाद पीड़ित ने कहा... मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा। मैं इस लड़ाई को जारी रखूंगी। उसे फांसी की सजा दिलाऊंगी, तब जाकर हमारे परिवार को इंसाफ मिलेगा।'

असम जैसे पूरे देश से घुसपैठिए भगाएंगे : शाह

असम के स्वतंत्रता-सेनानी गोपीनाथ ने असम को भारत में बनाए रखने के लिए नेहरू को मजबूर किया

गुवाहाटी,29 दिसम्बर 2025। असम के नौगांव में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बटाद्रवा स्थान पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन करने पहुंचे। कार्यक्रम में शाह ने कहा- हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख जमीन बीघा जमीन मुक्त करवा दी है। इसी तरह पूरे देश से हम घुसपैठियों को भगाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि आज मैं गोपीनाथ बोरदोलोई जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे नहीं होते, तो आज असम और पूरा नॉर्थ ईस्ट भारत का हिस्सा नहीं होता। शाह ने कहा कि गोपीनाथ ने ही जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में बनाए रखने के लिए मजबूर किया था।

अमित शाह के बयान की मुख्य बातें...

- केंद्र सरकार ने उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किए हैं, जिनमें से 92% शर्तें पूरी की जा चुकी हैं। असम में शांति और विकास की स्थिति मजबूत हुई है।
- बटाद्रवा थान को नव-वैष्णव धर्म का केंद्र है। यह जगह असम की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। परियोजना से पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
- असम में केंद्र सरकार के प्रयासों से शांति, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण हो रहा है। गुवाहाटी में नई सुरक्षा व्यवस्था से शहर सुरक्षित बनेगा।
- एक बार फिर असम की जनता भाजपा को अपना समर्थन दे। हम पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। जो लोग घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं, वे ऐसा कभी नहीं कर सकते।
- असम ने डॉ. मनमोहन सिंह जी को राज्यसभा भेजा, लेकिन वे केवल 7 बार ही असम आए, जिनमें से 2 बार तो केवल राज्यसभा का नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आए थे।

227 करोड़ की बटाद्रवा परियोजना का शुभारंभ किया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा थान में 227 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का उद्घाटन किया। यह स्थान असम के महान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि है। अमित शाह का पारंपरिक सत्रिया नृत्य और संगीत के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने गुरु आसन (पूजनीय गद्दी) वाले मुख्य भवन में जाकर दर्शन भी किए।

2021-2022 के बजट में स्वीकृति मिली थी

श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र को 2021-22 के राज्य बजट में पुनर्विकास के लिए स्वीकृति दी गई थी। परियोजना का उद्देश्य शंकरदेव से जुड़े आदर्शों, जीवन-दर्शन और कलात्मक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- यह परियोजना महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की विरासत के सम्मान और असम के नामघर, सत्र और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

रिटायर सैनिकों प्राइवेट अस्पतालों में इलाज नहीं मिल रहा,तय सुविधाएं और रोजगार भी नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली,29 दिसम्बर 2025। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को डिफेंस की पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी में रिटायर सैनिकों से मुद्दे उठाए। संसद में आयोजित बैठक में राहुल ने कहा कि रिटायक सैनिकों को जब प्राइवेट अस्पतालों में रैफर किया जाता है तो उन्हें वहां इलाज नहीं मिलता। सूत्रों के मुताबिक राहुल ने बैठक में कहा है कि पूर्व सैनिकों की भर्ती और पुनर्वास में कमी है। बड़ी संख्या में रिटायर सैनिकों को रोजगार और तय सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। दरअसल, राहुल गांधी रक्षा मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सदस्य हैं। आज की बैठक का एजेंडा पूर्व सैनिकों के पुनर्वास, स्वास्थ्य सुविधाओं और उनके लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों की समीक्षा करना था।

राहुल के बैठक में उठाए सवाल...

रिटायर सैनिकों की पुनर्वास नीतियों,स्वास्थ्य सुविधाओं में खामियों और हेल्थ फंड के लिए बजट कम है। प्राइवेट अस्पताल सरकार पर हमारा बकाया की बात कहकर पूर्व सैनिकों को एडमिट नहीं करते, उनका इलाज नहीं करते। रिटायर सैनिकों को कैंसर और किडनी से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए मिलने वाली 75 हजार की सहायता बेहद कम है। राहुल गांधी ने उत्तराखंड के देहरादून में त्रिपुरा के छात्र ऐंजल चकमा की मौत पर एक्स पोस्ट में भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि ऐंजल और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयावह घृणा का अपराध है।

जनवरी से ऑस्ट्रेलिया सभी भारतीय निर्यात पर टैरिफ खत्म कर देगा : गोयल

नई दिल्ली,29 दिसम्बर 2025। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) के तहत एक जनवरी से ऑस्ट्रेलियाई टैरिफ लाइनों पर 100 फीसदी ड्यूटी जीरो हो जाएगी, जिससे ऑस्ट्रेलिया को भारतीय निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इस कदम से भारत के श्रम-गहन क्षेत्र के लिए नए मौके खुलेंगे, क्योंकि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की तीसरी सालगिरह मनाई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा,पिछले तीन सालों में इस समझौते से लगातार निर्यात वृद्धि,बेहतर बाजार पहुंच और मजबूत सप्लाई-चेन रेजिलिएंस मिली है, जिससे भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई, किसानों और मजदूरों सभी को फायदा हुआ है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने संथाली भाषा में गाया गीत ओल चिकी लिपि शताब्दी समारोह बना यादगार

जमशेदपुर,29 दिसम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को जमशेदपुर के करनडीह स्थित दिशोम जाहेरथान प्रांगण में आयोजित 22वें संताली 'परसी माहा' एवं ओल चिकी लिपि शताब्दी समारोह में संथाली भाषा में गीत गाकर माहौल को सुरमयी बना दिया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत संथाली नेहोर गीत 'जोहार जोहार आयो...'से की,जिसे उन्होंने लगभग तीन मिनट तक गाया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोग मंत्रमुग्ध होकर राष्ट्रपति को सुनते रहे। ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन और दिशोम जाहेरथान कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि करनडीह आने से पहले उन्होंने जाहेर आयो को नमन किया और गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने जीवन संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के लोगों का प्रेम और इष्टदेवों का आशीर्वाद ही उन्हें इस मुकाम तक लेकर आया है। राष्ट्रपति ने ओल चिकी लिपि को संथाली समाज की पहचान, आत्मसम्मान और एकता का मजबूत आधार बताया। राष्ट्रपति मुर्मु ने ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन वर्षों से आदिवासी स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। राष्ट्रपति ने संविधान के संथाली (ओल चिकी) अनुवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कानून और अधिकारों की जानकारी मातृभाषा में होती है, तब समाज सशक्त बनता है और अज्ञानवश निर्दोष लोगों को सजा से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संथाली भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल है, इसलिए देश को चलाने वाले नियम और कानून की जानकारी भी संथाली समाज को अपनी भाषा में मिलनी चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि कानून की जानकारी के अभाव में कई निर्दोष लोग जेल तक पहुंचे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में संथाल समाज के लोग रहते हैं और शिक्षित युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अपने अधिकारों, भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी समाज के युवाओं की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे ओल चिकी लिपि और संथाली समाज के संरक्षण व विकास के लिए लगातार प्रयास करती रहेंगी। समारोह में शामिल प्रदेश राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि जनजातीय संस्कृति की जीवंतता और गौरव का प्रतीक है।

आंध्र प्रदेश में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस में आग,एक की मौत

यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन रुकवाई, 2 एसी कोच जले

विशाखापट्टनम,29 दिसम्बर 2025। विशाखापट्टनम से करीब 66किलोमीटर दूर येलमंचिली में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस ट्रेन के दो डिब्बों में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ट्रेन में आग लगने की खबर मिली। उस वक्त ट्रेन आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली में येलमंचिली रेलवे स्टेशन पर पहुंच गई थी। जब ट्रेन में आग लगी, तो दोनों कोच में से एक में 82 और दूसरे में 76 यात्री थे। पुलिस को बी1 कोच से एक शव मिला। मरने वाले की पहचान 70 साल के चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में हुई है। जले हुए कोच अलग करके ट्रेन को एर्नाकुलम रवाना कर दिया गया। यात्रियों को दूसरे साधनों से उनके गंतव्य तक भेजा जाएगा। दो फोरेंसिक टीमें आग लगने के कारणों का पता लगा रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले टाटानगर एर्नाकुलम एक्सप्रेस के बी1 कोच में आग लगी, फिर आग बी2 कोच में फैल गई। आग की लपटें देखकर घबराए यात्रियों ने इमरजेंसी चेन खींची और ट्रेन से बाहर भागे। ट्रेन के दोनों कोच जल गए हैं, इसमें यात्रियों का सामान भी जल गया। एसी कोच पूरी तरह बिजली पर चलता है, इसलिए वायर कटने, लूज कनेक्शन या वायरिंग के पुराने हो जाने पर शॉट सर्किट हो सकता है।

बीएमसी चुनावों के लिए मुंबई कांग्रेस की पहली सूची,87 उम्मीदवारों का ऐलान

नई दिल्ली,29 दिसम्बर 2025। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सोमवार को आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए 87 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। बृहन्मुंबई नगर निगम सहित महाराष्ट्र के सभी नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा। परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। इसमें माहिम विधानसभा सीट के तहत आने वाली वार्ड नंबर 192 भी शामिल है। सूत्रों की मानें तो इस सीट से राज ठाकरे ने अपना उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। कांग्रेस और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी ने गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया है और रविवार को सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है।

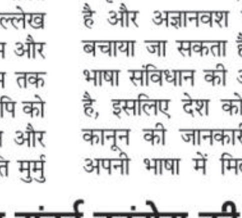

केंद्र ने 79 हजार करोड़ के रक्षा प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली,29 दिसम्बर 2025। केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए 79 हजार करोड़ रुपये को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिए गए इन फैसलों से सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। जरूरी मंजूरियों में टी-90 मुख्य युद्धक टैंक की मरम्मत करने और एमआई-17 हेलीकॉप्टर के मिड-लाइफ अपग्रेड के प्रस्ताव शामिल हैं,जिनका मकसद ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाने के लिए युद्ध संपत्तियों की सर्विस लाइफ बढ़ाना है।

बैठक में आर्टिलरी रेजिमेंट के लिए लॉइटर म्यूनिशन सिस्टम, लो लेवल लाइट वेट रडार, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट एम्युनिशन और भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II की खरीद को मंजूरी दी गई। लॉइटर म्यूनिशन का इस्तेमाल टैक्टिकल टारगेट पर सटीक हमला करने के लिए किया जाएगा, जबकि लो लेवल लाइट वेट रडार छोटे साइज के, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अनमैन्ड एरियल सिस्टम का पता लगाकर उन्हें ट्रैक करेंगे। लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट, हाई वैल्यू टारगेट पर असरदार तरीके से हमला करने के लिए पिनाका रॉकेट सिस्टम की रेंज को बढ़ाएंगे। इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II की रेंज ज्यादा है, जो सेना की जरूरी संपत्तियों की सुरक्षा करेगा।

संपादकीय

सामने आनी चाहिए नेहरू की चिट्ठियां

प्रधानमंत्री म्यूजियम भी कर चुका है मांग...

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निजी पत्रों पर राष्ट्र या नेहरू-गांधी परिवार के अधिकार को लेकर बहस तेज हो गई है। प्रधानमंत्री संग्रहालय ने राहुल गांधी से इन पत्रों को लौटाने की मांग की है,जो कथित तौर पर 2008 में सोनिया गांधी को दिए गए थे। ये पत्र समकालीन राजनीति और नेहरू के निजी जीवन के महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। इनकी सार्वजनिक उपलब्धता से नेहरू पर सार्थक बहस हो सकेगी।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निजी पत्रों और दस्तावेजों पर किसका अधिकार है? राष्ट्र का या नेहरू-गांधी परिवार का? यह बहस एक बार फिर गरमा गई है। हाल में जब भाजपा सांसद संबित पात्रा ने संसद में कहा कि नेहरू से जुड़े कागज प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय से गायब हैं तो केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि देश के पहले प्रधानमंत्री से संबंधित कोई दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय से लापता नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि नेहरू जी के 'पत्र लापता नहीं हैं' कहने का अर्थ है कि वे सोनिया गांधी के पास हैं,क्योंकि लापता वह चीज होती है, जिसके विषय में कुछ पता ही नहीं हो। सवाल यह है कि क्या सरकार ने इन पत्रों पर राजनीति की या नेहरू-गांधी परिवार इन खतों को देश के सामने नहीं आने देना चाहता? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या नेहरू-गांधी परिवार के पास मौजूद पत्र अब अस्तित्व में हैं या नहीं?

इसमें कोई शक नहीं है कि जवाहरलाल नेहरू की चिट्ठियां समकालीन राजनीति और समाज का जीवंत दस्तावेज हैं। उनके पत्र आज भी जीवंत हैं, क्योंकि वे भारत की आधुनिक चुनौतियों जैसे सांप्रदायिकता,राष्ट्रवाद, भारत की वैश्विक भूमिका और सामाजिक न्याय के सवाल को संबोधित करते हैं। इसके अलावा इन चिट्ठियों में उनके निजी जीवन की झलक भी है। उनमें से अधिकांश वर्षों तक प्रधानमंत्री संग्रहालय में रखे हुए थे,लेकिन मनमोहन सरकार में अचानक इन चिट्ठियों की मौजदूगी का पता बदल गया।

इस साल अप्रैल में प्रधानमंत्री म्यूजियम की तरफ से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एक खत लिखा गया। उसमें कहा गया कि राहुल गांधी के परिवार के पास जवाहरलाल नेहरू से जुड़े जो दस्तावेज हैं,वे वापस कर दिए जाएं। प्रधानमंत्री म्यूजियम और लाइब्रेरी सोसायटी के सदस्य रिजवान कादरी ने दावा किया था कि 2008 में यूपीए कार्यकाल में 51 बक्सों में भरकर नेहरू के निजी खत सोनिया गांधी के पास पहुंचाए गए थे। उनका दावा है कि उन्होंने सितंबर 2024 में भी सोनिया गांधी को खत लौटाने के लिए पत्र लिखा था, लेकिन उनसे कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने राहुल गांधी को पत्र लिखा। रिजवान कादरी ने जिन 51 बक्सों की बात की थी, उनमें नेहरू के वे पत्र रखे हुए हैं, जो उन्होंने एडविना माउंटबेटन,अल्बर्ट आइंस्टीन,जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद बल्लभ पंत जैसी कई नामी शख्सियतों को लिखे थे। हालांकि ऐसा नहीं है कि इन पत्रों को सार्वजनिक करने की मांग पहली बार की गई है। 2014 में भी ऐसी मांग उठी थी। उस वक्त यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कोलंबिया के इतिहासकार सुसान डेनबे ने नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय से 1947 के बाद के नेहरू के पत्र देखने की इच्छा जताई थी,लेकिन उन्हें मंजूरी नहीं मिल पाई। इन खतों को लेकर नेहरू-गांधी परिवार के करीबी ये तर्क देते हैं कि प्रधानमंत्री संग्रहालय ने ऐसे खत परिवार को तोहफे में दे दिए थे और तोहफा वापस कैसे लिया जा सकता है, लेकिन क्या देश के पहले प्रधानमंत्री का पत्र व्यवहार परिवार की जागीर हो सकता है?

अच्छी बात यह है कि अब यह बहस गर्म हो रही है और इस बारे में नेहरू-गांधी परिवार को जवाब देना होगा। नेहरू के कई खत हंगामा मचा सकते हैं। ऐसे कई किस्से हैं, जो इन पत्रों के सनसनीखेज होने का इशारा करते हैं। उदाहरण के लिए जयप्रकाश नारायण को एक बार अपने घर की सफाई में कुछ खत मिले थे,जो उन्होंने इंदिरा गांधी को लौटा दिए थे। एक खत में कमला नेहरू प्रभावती (जेपी की पत्नी) को लिखती हैं-'तुम भाग्यशाली हो कि तुमसे वह (जेपी) बराबरी से बात करते हैं...।'

एक अन्य खत में कमला नेहरू लिखती हैं-मैंने एक हाउस वाइफ की तरह 35 साल बिताकर बहुत बड़ी गलती की। अगर यह समय मैं भगवान को खोजने में लगाती तो शायद वे भी मिल जाते। जेपी नेहरू को भाई कहते थे। उन्हें लगा कि ऐसे खत बेवजह हंगामा मचा सकते हैं। लिहाजा साथियों के फोटोकॉपी कराने की मांग को भी अनसुना कर दिया। नेहरू और एडविना माउंटबेटन के बीच का पत्राचार भी कई शोधार्थी देखना चाहते हैं।

एडविना की बेटी पामेला माउंटबेटन ने अपनी किताब 'इंडिया रिमेम्बर्ड ए पर्सनल अकाउंट आफ माउंटबेटंस ड्यूरिंग द ट्रांसफर आफ पावर' में लिखा है कि नेहरू और एडविना 'गहरे प्रेम' में थे और एक-दूसरे का सम्मान करते थे, लेकिन सच यह भी है कि इस रिश्ते को लेकर आज भी अलग-अलग तरह की अटकलें हैं।

जवाहरलाल नेहरू के निजी पत्रों में कई कहानियां बंद हैं, लेकिन अब वे सोनिया गांधी के घर की किसी तिजोरी में बंद हैं। आज के दौर में जब कई राजनीतिक बहस के केंद्र में जवाहरलाल नेहरू अपने आप आ खड़े होते हैं, तब उनके पत्रों के सार्वजनिक होने की जरूरत पहले से ज्यादा है। इन पत्रों को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय का हिस्सा बनना चाहिए।

ध्यान रहे कि प्रियंका गांधी वाड्रा संसद में यह कहने से नहीं हिचकतीं कि भाजपा चाहे तो नेहरूजी पर संसद में बहस करा ले। ऐसी किसी बहस से पहले उन्हें नेहरू के खत सार्वजनिक करने चाहिए, ताकि उन पर कभी भी, कहीं भी होने वाली बहस सार्थक और सत्य की रोशनी में हो।

साल 2025 में घटित देश की प्रमुख घटनाएं

केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

समय चक्र के चलते 2025 भी समापन के कारागार पर है । हर साल की तरह इस साल भी देश दुनिया में बहुत सी घटनाएं घटी । यदि हम भारत की बात करें तो साल के शुरू में 5 जनवरी को हाल ध्रुव हेलीकॉप्टर इंडिया कोस्ट गार्ड गुजरात के पोर्ट में क्रैश हुआ जिस के सभी ग्रूप मेंबर्स मारे गए। 8 जनवरी को तिरुपति में वेंकटेश्वर टेंपल के स्टंप्ड में बहुत से लोग घायल हुए और कई लोगों की मृत्यु हुई। 13 से 26 जनवरी देशभर और विदेशों में महाकुंभ मेला जो प्रयागराज में आयोजित किया गया था चर्चा का विषय बना रहा । जिस दौरान 19 जनवरी को सिलेंडर फटने से 18 टेंपरेरी टेंस जलकर राख हो गए । 29 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ में अत्यधिक भीड़ बेकाबू होने से 30 लोगों की मृत्यु और अनेकों घायल हुए । इस दौरान 20 जनवरी को कोलकाता कैसे के आरोपी संजय राय को लाइफ सेंटेंस सुना दी गई । 5 फरवरी को दिल्ली लेजिसलेटिव असेंबली के इलेक्शन हुए जिसमें बीजेपी दो तिहाई मेजोरिटी से जीती । 10 फरवरी को रणबीर इलाहाबादी द्वारा दिए गए एक व्यक्तव्य को लेकर देश भर में चर्चा बनी रही । 13 फरवरी को यूनियन गवर्नमेंट ने मणिपुर में हो रही हिंसा को नियंत्रित करने के लिए प्रेसिडेंट रोल लागू किया। 19 फरवरी को रेखा गुप्ता दिल्ली की चीफ मिनिस्टर घोषित की गई । 9 मार्च 2025 को भारत द्वारा इंडियन क्रिकेट चैंपियन ट्रॉफी तीसरी बार दुबई में जीती गई । 5 अप्रैल को 2025 को नया वक्फ बिल लाया गया मुस्लिम वक्फ एक्ट 1923 और 1995 को बदल कर। जिसे लेकर भी देशभर में चर्चा बनी रही। 22 अप्रैल 2025 पहलगाम आतंकी हमले ने देशभर को हिला कर रख दिया । इस हमले में आतंकियों द्वारा 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी गई। जिसके जवाब में भारत पाकिस्तान के बीच में लाइन ऑफ कंट्रोल पर गोलाबारी होती रही। जिससे युद्ध की संभावनाएं बनती दिख रही थी। 7 मई को एयरफोर्स द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक के अंतर्गत ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया । भारत-पाकिस्तान की बढ़ती युद्ध की संभावना को देखते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बीच में पड़कर दोनों देशों के बीच सीज फायर की स्थिति बनी । 12 मई 2025 को भारत के क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने रिटायरमेंट की घोषणा की। 27 मई को कुश्ती के कप्तान बृजभूषण सिंह को कोर्ट से क्लेरेंस मिल गई। उन पर वूमेन खिलाड़ियों द्वारा शोषण का आरोप लगाया गया था। 12 जून को एयर इंडिया की फ्लाइट बोइंग 7878 में सवार यात्रियों की प्लेन क्रैश दुर्घटना से मृत्यु हो गई। जिसमें 260 यात्री शामिल थे। इस प्लान क्रैश से पूरे देश में शोक की लहर आई। इस दुर्घटना में हॉस्टल के बच्चे भी मारे गए। 15 जुलाई को राज्यसभा इलेक्शन आयोजित किए गए। 25 जून 2025 को शुभांशु शुक्ला भारत के दूसरे स्पेस में जाने वाले कप्तान बने। 23 जुलाई को चीन इंडिया रिलेशन फिर से एक बार नॉर्मल हुई और भारत में चीन के नागरिकों को टूरिस्ट वीजा देना वापस शुरू किया। 31 जुलाई को अमेरिकी प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय एक्सपोर्ट पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया। 6 अगस्त को यह टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत कर दिया गया। 11 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली एनसीआर के आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में डालने का आदेश दिया गया । 2 सितंबर 2025 पंजाब में बाढ़ का भयंकर नजारा देखने को मिला। 3 सितंबर को देशभर में जीएसटी रिफॉर्म लागू किया गया। 9 सितंबर वाइस प्रेसिडेंट इलेक्शन हुए जिसमें सी पी राधाकृष्णन को इलेक्ट किया गया जिन्होंने 12 सितंबर को औथ ग्रहण की। 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा वक्फ अमेंडमेंट एक्ट 2025 को सस्पेंड कर दिया गया। 26 सितंबर को लद्दाख के सोनम वांगचुक को अरेस्ट कर लिया गया नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत। 20 अक्टूबर 2025 को मशहूर कॉमेडियन एक बेहतरीन कलाकार असरानी का निधन हुआ ।24 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर में राज्यसभा इलेक्शन हुए जिसमें कश्मीर नेशनल कांग्रेस तीन सीटों पर विजय रही और एक पर बीजेपी । 2 नवंबर 2025 इंडियन वुमन क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत कर भारतीय महिला खिलाड़ियों ने भारत का गौरव बढ़ाया । 10 नवंबर को भारत की राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास एक कार एक्सप्लोजन के मामले ने संपूर्ण दिल्ली को हिला कर रख दिया। जिसमें 15 लोगों की जान गई। 24 नवंबर को हिंदी सिनेमा जगत के विख्यात,प्रसिद्ध, हर दिल अजीज़ एक्टर धर्मेंद्र का निधन हुआ । 28 नवंबर 2025 को डिपार्मेंट आफ टेलीकम्युनिकेशन द्वारा संचार भारती को लागू करने की घोषणा की गई। 5 दिसंबर को इंडिगो फ्लाइट्स रद्द होने के कारण एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा । 6 दिसंबर को गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मृत्यु हो गई। 23 दिसंबर को उन्नाव केस के अपराधी पूर्व भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर को कोर्ट द्वारा बेल दे दी गई। जिस देश भर में असंतोष की लहर देखने को मिली तथा न्याय प्रणाली को लेकर लोगों के दिलों में कई सवाल उठते दिखे। जून से शुरू हुआ बांग्लादेश में उठा कोहराम अभी तक कायम है। जिसके चलते बहुत से लोगों की जाने चली गई है। आर्थिक रूप से देखें तो रुपए में बहुत गिरावट आई और डॉलर महंगा हो गया।। सोने चांदी ने बहुत उछाल देखने को मिला। कुल मिलाकर यह साल आगजनी,बाढ़ युद्ध जैसी स्थिति,राजनीतिक उथल-पुथल इत्यादि से भरा रहा। 2025 का अंत एक नए साल का आरंभ । यही है समय चक्र। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाला साल 2026 देश दुनिया के लिए समृद्धि,शांति लेकर आएगा।

पेंशन का सवाल:नेता और विधायक मालामाल,जनता और कर्मचारी बेहाल

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा,भिवानी, हरियाणा

एक से अधिक पेंशन,यात्रा भत्ते की सर्वसम्मति और 60 साल सेवा के बाद भी पेंशन से वंचित कर्मचारी–लोकतंत्र की उलटी प्राथमिकताओं की कहानी सवाल राशि का नहीं, नियत का है। सवाल यह है कि जब एक आम कर्मचारी 30-35 साल सेवा देने के बाद भी पेंशन के लिए दर-दर भटकता है,जब लाखों कर्मचारी नई पेंशन योजना के जाल में फँसकर बुढ़ापे की सुरक्षा से वंचित हैं, तब सत्ता से जुड़े लोगों को एक से अधिक पेंशन किस नैतिक अधिकार से मिलती है?

यह कैसी व्यवस्था है जहाँ विधायक बनने के पाँच साल बाद भी पेंशन का अधिकार जन्म ले लेता है,लेकिन शिक्षक, क्लर्क,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, स्वास्थ्यकर्मी,फील्ड वर्कर–जो 60 साल तक सेवा देता है–वह पेंशन का पात्र भी नहीं बन पाता? क्या लोकतंत्र में श्रम का मूल्य सत्ता की दूरी से तय होता है? लोकतंत्र की किताबों में लिखा है कि सत्ता जनता की सेवक होती है। व्यवहार में यह वाक्य अब एक पुराना मुहावरा बन चुका है–इतना पुराना कि सत्ता खुद भी इसे गंभीरता से नहीं लेती। आज का लोकतंत्र सेवा नहीं,सुविधा का तंत्र बन चुका है और इस तंत्र की सबसे सुंदर,सबसे सुविधाजनक, सबसे सुरक्षित जगह है–सर्वसम्मति।

जैसे ही बात अपने हितों की आती है,हमारे जनप्रतिनिधि वैचारिक मतभेद भूल जाते हैं। न पक्ष रहता है,न विपक्ष। न सत्ता होती है,न प्रतिपक्ष। सब एक साथ हो जाते हैं–जैसे कोई पारिवारिक मामला हो, जैसे कोई निजी उत्सव हो। पूर्व विधायकों के लिए 10,000 यात्रा भत्ता का सर्वसम्मति से पारित होना कोई साधारण निर्णय नहीं है,यह उस मानसिकता का उद्घाटन है जिसमें सत्ता खुद को जनता से ऊपर और अलग मानने लगती है। यह वही सदन है जहाँ किसानों की आत्महत्याओं पर बहस असंवेदनशील हो जाती है, मज़दूरों की मौतें आँकड़ों में बदल जाती हैं,बेरोज़गारी वैश्विक चुनौती बन जाती है और महँगाई अस्थायी स्थिति कहकर टाल दी जाती है। लेकिन जैसे ही बात विधायकों,पूर्व विधायकों,मंत्रियों या सत्ता से जुड़े वर्ग की आती है–लोकतंत्र चौकन्ना हो जाता है,सक्रिय हो जाता है, तत्पर हो जाता है। 10,000 कोई बड़ी राशि नहीं है–यह तर्क अक्सर दिया जाता है। बिल्कुल सही है। यह बड़ी राशि नहीं है। लेकिन सवाल राशि का नहीं, नियत का है। सवाल यह है कि जब एक आम कर्मचारी 30-35 साल सेवा देने के बाद भी पेंशन के लिए दर-दर भटकता है, जब लाखों कर्मचारी नई पेंशन योजना के जाल में फँसकर बुढ़ापे की सुरक्षा से वंचित हैं,तब सत्ता से जुड़े लोगों को एक से अधिक पेंशन किस नैतिक अधिकार से मिलती है?

यह कैसी व्यवस्था है जहाँ विधायक बनने के पाँच साल बाद भी पेंशन का अधिकार जन्म ले लेता है,लेकिन शिक्षक, क्लर्क,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, स्वास्थ्यकर्मी, फील्ड वर्कर–जो 60 साल तक सेवा देता है–वह पेंशन का पात्र भी नहीं बन पाता? क्या लोकतंत्र में श्रम का मूल्य सत्ता की दूरी से तय होता है? विडंबना यह है कि जिन पूर्व विधायकों को आज यात्रा भत्ता दिया जा रहा है,वे पहले से ही कई-कई पेंशन ले रहे हैं–कभी विधायक की,कभी सांसद की, कभी मंत्री की,कभी समिति की। सत्ता में बिताए गए कुछ वर्षों ने उन्हें आजीवन सुरक्षा दे दी, जबकि वही सत्ता व्यवस्था को चलाने वाले कर्मचारियों को बुढ़ापे में भी असुरक्षित छोड़ देती है। जनता से बार-बार कहा जाता है कि सरकार के पास पैसा नहीं है। लेकिन यह वाक्य केवल जनता के लिए आरक्षित है। कर्मचारियों के लिए पैसा नहीं है, किसानों के लिए पैसा नहीं है, छात्रों के लिए पैसा नहीं है, स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए पैसा नहीं है। लेकिन नेताओं की सुविधाओं के लिए पैसा हमेशा उपलब्ध रहता है–बिना बहस, बिना विरोध,बिना शर्म।

कांग्रेस का नया अभियान,मनरेगा बचाने के नाम पर हास्यास्पद कोशिश

स्वरा श्रीवास्तव

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मनरेगा बचाओ अभियान एक निरर्थक राजनीतिक प्रयास बताया गया है। लेख के अनुसार, मनरेगा में बदलाव और नई वीबी जीरामजी योजना भ्रष्टाचार को दूर कर ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित है,साथ ही कार्यदिवस भी बढ़ाए गए हैं। दो दशकों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों को देखते हुए ये संशोधन आवश्यक थे। राहुल के तर्क हास्यास्पद हैं, क्योंकि ठोस विरोध के लिए मजबूत आधार नहीं है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस तरह मनरेगा बचाओ अभियान छेड़ने की बात कही, उससे यही स्पष्ट होता है कि वे फिर से एक ऐसे मुद्दे को तूल देने जा रहे हैं, जिससे उन्हें और कांग्रेस को शायद ही कुछ राजनीतिक या चुनावी लाभ मिले। यह पहली बार नहीं,जब राहुल गांधी किसी ऐसे मुद्दे को छेड़ने जा रहे हैं, जिसमें जनता का ध्यान आकर्षित करने की क्षमता नहीं दिख रही है।

यह सही है कि मनरेगा का केवल नाम ही नहीं बदला गया है,बल्कि उसके कई प्रविधान भी बदल दिए गए हैं और वे भी कुछ इस प्रकार कि कानून रूपी यह योजना एक तरह से नई योजना बन गई है, लेकिन इसके आधार पर ऐसे किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं कि ग्रामीण विकास और रोजगार गांरटी के इस कानून को खत्म कर गरीबों के अधिकारों पर कुठाराघात किया जा रहा है। राहुल गांधी मनरेगा बचाओ अभियान के जरिये कुछ ऐसी ही प्रतीति कराना चाहते हैं।

इसके लिए वे ऐसे भी तर्क दे रहे हैं कि प्रधानमंत्री ने मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी लाने के पहले न तो कोई अध्ययन कराया और न ही कैबिनेट से किसी तरह का विचार-विमर्श किया। ऐसे तर्क हास्यास्पद ही हैं। ऐसे तर्क तभी दिए जाते हैं,जब सरकार के किसी फैसले,कार्यक्रम अथवा कानून का ठोस तर्कों के साथ विरोध करना कठिन होता है।

20 वर्ष पहले जब मनरेगा को लाया गया था, तब देश की परिस्थितियां भिन्न थीं। बीते दो दशकों में देश के जनजीवन के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। इन बदलावों को देखते हुए मनरेगा जैसी योजना में हेरफेर करना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य हो गया था। इसलिए और भी,क्योंकि समय के साथ मनरेगा में कई कमजोरियां घर कर गई थीं। इन कमजोरियों की चर्चा भी होती थी। प्रायः यह कहा जाता था कि आखिर मनरेगा के तहत कब तक गड्ढे खोदे और भरे जाते रहेंगे?

इसी तरह इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मनरेगा में भ्रष्टाचार की शिकायतें आती रहती थीं। क्या कभी इसका आकलन किया गया कि आखिर मनरेगा से ग्रामीण जीवन में कितना बुनियादी बदलाव आ सका? यदि वीबी जीरामजी के तहत काम के दिन 100 से 125 किए जा रहे हैं और इस योजना के काम अधिक पारदर्शी ढंग से कराने के उपाय किए जा रहे हैं तो इसमें किसी को शिकायत क्यों होनी चाहिए?

इसी तरह आखिर इसमें क्या हर्ज है कि अब इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस बुनियादी ढांचे का भी निर्माण कराया जाएगा और केंद्र के स्तर पर उसकी निगरानी बढ़ाई जाएगी? नई योजना की आलोचना का एक बिंदु यह है कि इसमें राज्यों का अंशदान बढ़ा दिया गया है, लेकिन ऐसा करके तो राज्यों में जिम्मेदारी का भाव जगाने के साथ उन्हें जवाबदेह भी बनाया जा रहा है।

पितृसत्ता की कीमत अदा कर रहे हैं कुंवारे बेटे

डॉ. प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार (हरियाणा)

जब करोड़ों भी दुल्हन नहीं दिला पाएँ:उत्तर भारत के लिंगानुपात की भयावह सच्चाई

उत्तर भारत में दुल्हन की तलाश में भटकते कुंवारे पुरुष कोई व्यक्तिगत विफलता नहीं,बल्कि उस समाज की सामूहिक त्रासदी हैं जिसने वर्षों तक बेटियों को बोझ समझा। करोड़ों की संपत्ति,ऊँची नौकरी और सामाजिक प्रतिष्ठा आज बेबस दिख रही है। यह संकट अचानक नहीं आया, बल्कि भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव और पितृसत्तात्मक सोच का स्वाभाविक परिणाम है। लिंगानुपात का यह असंतुलन केवल विवाह तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि आगे चलकर मानव तस्करी, ज़बरन विवाह और महिलाओं पर बढ़ती हिंसा जैसे गंभीर सामाजिक संकटों को जन्म देगा। यह समय आँकड़ों से नहीं,सोच बदलने से समाधान खोजने का है।

भारत में विवाह केवल दो व्यक्तियों का निजी संबंध नहीं होता,बल्कि वह समाज की सामूहिक चेतना,नैतिकता और सत्ता-संरचना का आईना भी होता है। लेकिन जब अख़बारों की सुर्ख़ियाँ यह बताने लगें कि करोड़ों की संपत्ति,लाखों की मासिक सैलरी और सरकारी नौकरी होने के बावजूद पुरुषों को दुल्हन नहीं मिल रही, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि मामला व्यक्तिगत विफलता का नहीं,बल्कि एक गहरे सामाजिक और सभ्यतागत संकट का है। पंजाब और हरियाणा जैसे समृद्ध कहे जाने वाले राज्यों से आई यह सच्चाई किसी एक परिवार या वर्ग की समस्या नहीं है, बल्कि उस पितृसत्तात्मक सोच का परिणाम है, जिसने वर्षों तक बेटियों को जन्म से पहले ही मिटा दिया।

यह संकट अचानक पैदा नहीं हुआ। यह किसी प्राकृतिक आपदा की तरह समाज पर नहीं टूटा, बल्कि इसे योजनाबद्ध तरीके से गढ़ा गया। अल्ट्रासाउंड मशीनों के

दुरुपयोग,दहेज की भूख,वंशवादी अहंकार और तथाकथित सामाजिक प्रतिष्ठा ने मिलकर एक ऐसी ज़मीन तैयार की,जहाँ बेटियों का जन्म ही अपराध मान लिया गया। समाज ने यह मान लिया कि बेटा ही भविष्य है और बेटी बोझ। आज उसी सोच की कीमत समाज को सामूहिक रूप से चुकानी पड़ रही है। सरकारी आँकड़े भले यह दावा करें कि लिंगानुपात में सुधार हो रहा है, लेकिन विवाह के बाज़ार में दिखाई दे रही सच्चाई इन दावों की पोल खोल देती है। जब हज़ारों आवेदनों में 92 प्रतिशत पुरुष दुल्हन की तलाश में हों, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि आँकड़े और ज़मीनी हकीकत के बीच एक गहरी खाई है। यह केवल संख्याओं का सवाल नहीं है, बल्कि सामाजिक संतुलन का प्रश्न है। लिंगानुपात कोई साधारण जनसांख्यिकीय आँकड़ा नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य का संकेतक होता है। आज उत्तर भारत के कई हिस्सों में 40 से 45 वर्ष की उम्र पार कर चुके वे पुरुष विवाह के लिए दर-दर भटक रहे हैं, जिनके पास ज़मीन है, मकान है, गाड़ी है और सम्मानजनक नौकरी भी। वैवाहिक बैठकों में यह कहना कि तलाक़शुदा चलेगी, एक बच्चा हो तो भी चलेगा,किसी उदार सोच का नहीं, बल्कि गहरी हताशा का बयान है। यह वही समाज है जिसने कभी लड़की के रंग, रूप,कद और दहेज के आधार पर रिश्ते ठुकराए थे। आज वही समाज चयन से बाहर खड़ा है। पितृसत्ता ने सदियों तक स्त्री को केवल एक वस्तु की तरह देखा–जिसे परखा जा सकता है, बदला जा सकता है, अस्वीकार किया जा सकता है। लेकिन आज वही पितृसत्ता अपने ही बनाए ढांचे में फँस गई है। यह उसकी ऐतिहासिक विफलता है कि उसने जिस व्यवस्था को अपने लाभ के लिए खड़ा किया,वही व्यवस्था अब उसके अस्तित्व पर सवाल बनकर खड़ी है। जिन इलाकों में भ्रूण हत्या सबसे अधिक हुई, वहीं आज विवाह संकट सबसे गहरा है। समाज ने सोचा था कि बेटियाँ कम होंगी तो बेटों की क़ीमत बढ़ेगी, लेकिन हुआ इसके ठीक उलट–बेटियाँ कम हुईं और बेटों का भविष्य असुरक्षित हो गया। इस स्थिति के लिए केवल परिवारों को दोष देना आसान है, लेकिन यह अधूरा सच होगा। राज्य,समाज और धर्म–तीनों इस संकट के सह-निर्माता हैं। प्रशासन ने लिंगानुपात को एक फ़ाइल में दर्ज होने वाला आँकड़ा समझा, संवेदनशील सामाजिक चेतावनी नहीं। राजनीति ने इसे कभी गंभीर चुनावी मुद्दा नहीं बनाया, क्योंकि इससे तात्कालिक वोट नहीं मिलते। धर्म और जाति ने इसे संस्कार और परंपरा के नाम पर ढक दिया, मानो बेटी पैदा करना कोई अपराध हो।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान पोस्टरों,नारों और भाषणों तक सीमित रह गए। ज़मीनी स्तर पर सख्ती, निरंतर सामाजिक संवाद और वैचारिक संघर्ष की जगह प्रचार ने ले ली। नतीजा यह हुआ कि योजनाएँ चलती रहीं और बेटियाँ घटती रहीं। समाज ने आँख मूँदकर यह मान लिया कि यह समस्या भविष्य की है, आज की नहीं। अब जब भविष्य दरवाज़े पर खड़ा है, तो घबराहट साफ़ दिखाई दे रही है।

आज दिखाई दे रहा यह विवाह संकट आने वाले सामाजिक विस्फोट का संकेत है। यदि यही स्थिति बनी रही,तो महिलाओं की ख़रीद-फरोख़्त,ज़बरन विवाह, मानव तस्करी और महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा जैसी घटनाएँ बढ़ेंगी। ये घटनाएँ किसी विकृत मानसिकता के अपवाद नहीं होंगी, बल्कि असंतुलित समाज का स्वाभाविक परिणाम होंगी। जब समाज में स्त्रियों की संख्या घटती है, तो उनकी सुरक्षा नहीं बढ़ती, बल्कि उनका शोषण नए और अधिक ख़तरनाक रूपों में सामने आता है। यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम स्त्री को अब भी केवल पत्नी,बहू और माँ की सीमित भूमिकाओं में ही बाँधकर देखेंगे, या उसे एक स्वतंत्र और बराबरी का नागरिक मानेंगे। जब तक बेटी को शिक्षा,संपत्ति में अधिकार, निर्णय की स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलेगा, तब तक कोई भी सामाजिक सुधार टिकाऊ नहीं हो सकता।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

–सम्पादक

नारियल भूसी से 6 करोड़ का गांजा जब्त... ट्रक में सवार तस्करों से पूछताछ जारी

-संवाददाता-
बलरामपुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सूखे नशे के खिलाफ जिले की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 6 करोड़ रुपए के गांजे से भरे ट्रक को घेराबंदी कर पकड़ा गया है. आरोपी मादक पदार्थ को ओडिशा से लेकर राजस्थान लेकर जा रहे थे। पुलिस ने तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बसंतपुर थाना क्षेत्र में की गई है। जानकारी के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर 28 दिसंबर की रात सरहदी इलाके में घेराबंदी कर ट्रक क्रमांक RJ 32 GE 0960 को रोका गया। तलाशी के दौरान ट्रक में भरे नारियल भूसी के नीचे 40 पैकेट गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे का कुल वजन 1198.460 किलोग्राम और अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ 99 लाख रुपये बताई गई है। वहीं तस्करी में प्रयुक्त ट्रक की कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार अमरीश कुमार (23 साल) और मनीष कुमार (20 साल) यूपी के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 228/2025, धारा 20(बी)(ii)(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। एसपी पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर का बयान मुखबिर के सूचना के आधार पर ट्रक में अवैध गांजा तस्करी की जांच की गई थी जिसमें अवैध रूप से गांजा तस्करी किया जा रहा था जहां लगभग मार्केट मूल्य के अनुसार 6 करोड़ रूपये के गांजे को जाप किया है वही इंड टू इंड कार्रवाई भी पूरे प्रकरण में की जाएगी।

शासकीय इनोवा वाहन दुर्घटना..शराब के नशे में चालक ने साथी की जान ली,खुद घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के ग्राम मजीरा थाना लटोरी के पास सोमवार को एक दर्दनाक दुर्घटना घटी, जिसमें संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय का शासकीय इनोवा वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई,जबकि वाहन का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार,चालक और उसका साथी रास्ते में शराब पीकर वाहन चला रहे थे,और शराब के नशे में ही यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान रमेश विश्वकर्मा के रूप में हुई है,जो अंबिकापुर के सुभाषनगर का निवासी था। रविंद्र कुमार,जो संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के शासकीय वाहन चालक हैं,सोमवार को अपने साथी रमेश के साथ शासकीय इनोवा वाहन (क्रमांक सीजी 02 5504) लेकर निकले थे। दोनों ने पहले गैस गोदाम से गैस भरवाया और फिर सब्जी मंडी जाने की बात कहकर घर से बाहर निकल गए।

दोपहर करीब 2.30 बजे जब वे वापस नहीं लौटे, तो रमेश की पत्नी नीलम देवी ने रविंद्र को फोन किया। रविंद्र ने उन्हें बताया कि वह 10 मिनट में वापस आ जाएंगे। लेकिन आधे घंटे बाद भी जब दोनों नहीं लौटे, तो नीलम ने फिर से रविंद्र को फोन किया, लेकिन इस बार किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन उठाया और उन्हें सूचना दी कि इनोवा वाहन ग्राम मजीरा के पास लटोरी थाना जयनगर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। नीलम देवी ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचने के बाद दोनों को घायल अवस्था में पाया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को लटोरी अस्पताल भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मिशन अस्पताल रेफर किया गया। वहां की जांच में रमेश विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया गया,जबकि रविंद्र कुमार का इलाज जारी है। रविंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि वह और रमेश बलसेड़ी जाने के लिए निकले थे, और रास्ते में दोनों ने शराब पी थी। शराब के नशे में वाहन की गति तेज हो गई,जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया और सडक़ से बाहर जाकर खेत में पलट गया। रविंद्र का कहना है कि नशे में धुत होकर वाहन चलाना उसके द्वारा की गई सबसे बड़ी गलती थी। घटना की सूचना मिलते ही संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुल सचिव एसपी त्रिपाठी भी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने इस दुर्घटना को ड्राइवर की लापरवाही बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना वाहन चलाते समय लापरवाही और नशे में ड्राइविंग के कारण घटी,जो कि न सिर्फ अवैध है, बल्कि बेहद खतरनाक भी है।

अधिकारियों और कर्मचारियों का धरना 11 सूत्री मांगों को लेकर की हड़ताल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर सरगुजा जिले के समस्त अधिकारी और कर्मचारियों ने कलेक्टरेट ब्रांच के सामने धरना दिया। यह धरना कलम बंद हड़ताल के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर आवाज उठाई। प्रमुख मांगों में महंगाई भत्ते की वृद्धि, वेतन विसंगति, 30 दिनों का अवकाश,नगदी कारण अनुकंपा नियुक्ति में शिथिलीकरण जैसी लंबित समस्याओं को हल करने की मांग की गई। धरने के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने सभी विभागों में 3 दिनों का निश्चित कालीन अवकाश लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने शासन स्तर पर लंबित इन मुद्दों का समाधान शीघ्र करने की अपील की। धरने में विभिन्न कर्मचारी संघों के पदाधिकारी उपस्थित थे। धरने में शामिल नेताओं ने अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए शासन पर दबाव बनाने का संकल्प लिया और इस आंदोलन को तब तक जारी रखने का ऐलान किया जब तक सभी मांगों को पूरा नहीं किया जाता। इस दौरान जिला संयोजक कमलेश सोनी, राजपत्रित अधिकारी संघ के डॉ. सीके मिश्रा, लिपिक संघ के दुर्गेश सिन्हा, लिपिक वर्गी शासकीय कर्मचारी संघ के अखिलेश सोनी, शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष संजय सिंह, पटवारी संघ के अध्यक्ष, वन अधिकारी कर्मचारी संघ के राजेश बरादे, पशु चिकित्सा सहायक क्षेत्र अधिकारी संघ के अनिल तिवारी, पेंशनर्स संगठन के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के विजय यादव, स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन के सऊद अंसारी, और तृतीय वर्क कर्मचारी अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष नवीन केसरी प्रमुख रूप से शामिल थे।

व्यवसायी से 20 लाख रुपए की लूट...पुलिस ने दो आरोपी को किया गिरफ्तार...रुपए बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शहर के सतीपारा स्थित रानीसती मंदिर के पास रविवार की रात एक बड़ी लूट की घटना सामने आई, जिसमें दो युवक स्कूटी सवार मोबाइल व्यवसायी पर हमला कर 20 लाख रुपए से भरा झोला लूटकर फरार हो गए थे। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज तीन घंटे में लूटे गए 18 लाख रुपए और घटना में प्रयुक्त बाइक को बरामद कर लिया। पुलिस ने सोमवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया,और शेष 2 लाख रुपए भी बरामद कर लिए। जानकारी के अनुसार,अंबिकापुर निवासी अनिल अग्रवाल, जो ब्रह्मरोड में मोबाइल का थोक व्यवसाय करते हैं, रविवार रात अपने दुकान के बंद करने के बाद स्कूटी से घर लौट रहे थे। उनके पास 20 लाख रुपए से भरा एक झोला था। जब वह रानीसती मंदिर के पास पहुंचे,तभी दो युवकों ने पीछे से आकर अनिल अग्रवाल पर डंडे से हमला कर दिया। हमला होते ही वह गिर पड़े और बेहोश हो गए। इस दौरान आरोपी युवकों ने उनके हाथ से झोला छीन लिया और फरार हो गए। कुछ समय बाद जब अनिल को होश आया, तो उन्होंने तुरंत अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी और पुलिस को सूचना दी। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस को भी इस लूट की जानकारी दी गई और व्यवसायी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई : घटना की जानकारी मिलते ही एसपी राजेश अग्रवाल ने सीएसपी राहुल बंसल को नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से रात करीब 12 बजे तक आरोपियों का पीछा किया और वे जगदीशपुर क्षेत्र के एक खेत में पहुंचे। वहां आरोपियों ने झोले में भरे पैसों का बंटवारा करना शुरू कर दिया था, लेकिन पुलिस को अपनी ओर आते देख दोनों आरोपी भाग खड़े हुए।

18 लाख रुपए बरामद

पुलिस ने मौके से 18 लाख रुपए और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक को बरामद कर लिया। दोनों आरोपियों ने भागते वक्त झोला छोड़ दिया था, जिसमें 2 लाख रुपए ही बच गए थे। पुलिस ने उसे भी बाद में बरामद कर लिया।

आरोपियों की गिरफ्तारी

सोमवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में दीपक दास और रोहित दास शामिल हैं। दीपक दास अमगासी के खालपारा क्षेत्र का निवासी है, जबकि रोहित दास मणिपुर थाना क्षेत्र के भातुपारा गांव का रहने वाला है। दीपक दास व्यवसायी अनिल अग्रवाल के दुकान का पूर्व कर्मचारी था। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और उनकी गिरफ्तारी के बाद शेष लूटे गए पैसे भी बरामद किए।

शराब के नशे में जहर सेवन कर वृद्ध ने दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शराब के नशे में वृद्ध कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के बसंतपुर थाना अंतर्गत ग्राम कोलुवा निवासी रामनारायण उम्र 65 वर्ष, 22 दिसम्बर को गांव के सोसायटी से चावल लेकर घर आया और शराब पीने के बाद पूरी रात अपने परिवार के सदस्यों के साथ गालीगलौज कर रहा था। सुबह स्वजन उसे उल्टी करते देखे, तो पता चला कि वह कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया है। परिजन उसे वाड्रफनगर स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान रविवार की शाम को उसकी मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक महेश तिवारी पिता शिवप्रवेश तिवारी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम केपी का रहने वाला था। 28 दिसम्बर को वह अपने एक साथी को छोडऩे के लिए मोटरसायकल से ग्राम हसुली गया था। वापस आते समय निर्भय पटेल नामक एक व्यक्ति को मोटरसायकल में बैठाकर वापस गांव आ रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन का चालक इन्हें ठोकर मार दिया, जिसमें निर्भय को मामूली चोट आई थी। महेश को आई गंभीर चोटों को देखते हुए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से प्राथमिक जांच, उपचार के बाद रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर स्वजन पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बस की ठोकर से घायल महिला की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बस की ठोकर से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बसंतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोटराही की अतवारिया पति स्व. जवाहिर कोइरी 57 वर्ष, रविवार की शाम को सडक़ पार कर रही थी, इसी दौरान बैढऩ से अंबिकापुर की ओर आ रही गुप्ता बस का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए महिला को चपेट में ले लिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घायल महिला को वाड्रफनगर स्वास्थ्य केन्द्र से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर नियुक्त जिला अध्यक्ष ने कांग्रेसियों के बीच राजीव भवन में तिरंगा फहराया

-संवाददाता-
बलरामपुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिला मुख्यालय के राजीव भवन भवन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिहर यादव के मुख्य अतिथि में कांग्रेस सेवा दल के जिला अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि हरिहर यादव को सलामी देकर वंदे मातरम गीत गाकर तिरंगे को सलामी देकर तिरंगा फहरवाया गया, झण्डा फहराने पश्चात झंडा गीत एवं राष्ट्रगान गीत गाकर कांग्रेस के पुरोधाओ के नारे के साथ साथ वंदे मातरम भारत माता के लगाए गए।

झंडा फहराने पश्चात बैठक रखकर विभिनय मुद्दों पर चर्चा कर की : चर्चा के दौरान सर्व प्रथम आयोजित कार्यक्रम में। के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के गौरवशाली इतिहास, त्याग, संघर्ष और जनसेवा की परंपरा को स्मरण करने को कहा गया। उक्त कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ, यूआ, महिला कार्यकर्ता, सेवा दल ने संबोधन कर बूथ स्तर तक के कार्य कर्ताओं सम्मान को लेकर बात कही गई साथ ही पार्टी को मजबूती प्रदान करने का संकल्प किया, लघु वनोपज के जिला अध्यक्ष लाल साय मिंज ने अपनी बात रखते हुए कहा कि आज संभाग से हमारे पास एक भी विधायक नहीं होने के कारण अपने अपने क्षेत्र के ग्राम पंचायतो में हो रहे भ्रष्टाचार को विधान सभा तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। पूर्व में राजपुर ब्लाक में तत्कालीन कांग्रेस जिला अध्यक्ष के निर्देश में ब्लाक अध्यक्ष के नेतृत्व में कर्मठ कार्यकर्ताओं को शासन के विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व बनाकर पंचायतों के ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाती थी, जिससे अफसर शाही हावी नहीं होती थी, चर्चा के माध्यम से सम्माननीय जिला अध्यक्ष हरिहर यादव जी से आग्रह करता हूं हम सब हम नेता परम् आदरणीय महाराजा साहब टी एस सिंह देव जी तक हमारी बातों को पहुंचाकर कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों से निष्ठावान कार्यकर्ताओं को चुनकर विभिन्न विभागों का प्रतिनिधि बनाया जय जिससे ग्राम पंचायतों में हो रहे अनियमिताओं को माननीय नेता प्रतिपक्ष के माध्यम से विधान सभा सत्र के दौरान मुद्दों को उठाया जा सके। सम्मानित जिला अध्यक्ष कुसमी ब्लाक अध्यक्ष हरीश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूर्व में वक्ताओं के द्वारा दिए बातों विचारों से सहमत हु बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को हौसला बढ़ाना होगा होगा भाजपा से ही लड़ाई नहीं है उनके सिस्टम से भी लड़ाई लड़कर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाना है। जिला अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव ने अपने उद्बोधन में सभी वक्ताओं की बातों को लेकर कहा कि बूथ अस्तर के कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलेगा साथ ही सरकार को लेकर कहा कि जिस तरह से आज देश में सरकार चल रही है इससे प्रतीत हो रहा है कि देश अघोषसीत आपातकाल की तेरा सरकार चल रहा है आने वाले समय में हम सभी मिलकर सरकार और सरकार के सिस्टम से मुखर होकर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार लाकर पार्टी को मजबूती प्रदान करना है आज मैं देखता हूं कि जो यहां आए हैं वह सच्चे कांग्रेसी हैं कांग्रेस के विचारधारा से सहमत है और जो फूल छाप कांग्रेसी बनकर रंग सियार की तरह कार्य कर पार्टी को दीमक की तरह खाने के प्रयास में लगे थे वह पार्टी से बाहर जा चुके हैं। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित बलरामपुर जिले के अध्यक्ष हरिहर यादव,जिला महामंत्री जितेंद्र गुप्ता, लाल साय मिंज, हरीश मिश्रा, जिले के समस्त ब्लाक से आय ब्लाक अध्यक्ष एवं महिला कार्यकर्ता वगैरह के साथ साथ कुसमी नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र भगत, सेवा दल सहित जिले के सभी प्रकोष्ठों के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखरी में कई कर्मचारी पाए गए अनुपस्थित,संयुक्त संचालक ने जारी किया नोटिस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शहर से लगे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखरी का आकस्मिक निरीक्षण डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवायें ने किया। इस दौरान अस्पताल की सफाई, स्वास्थ्य कार्यक्रमों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। निरीक्षण में डॉ. शुक्ला ने डॉक्टरों और कर्मचारियों से अस्पताल के संचालन में लापरवाही न करने की अपील की। विशेष रूप से टीबी और कुष्ठ रोग की जांच, अस्पताल के ओपीडी रजिस्टर की सही तरीके से संधारण और मरीजों से अच्छा व्यवहार स्थापित करने की हिदायत दी गई। निरीक्षण के दौरान कुछ कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इनमें डॉ. सौरभ अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, फार्मासिस्ट, शांती खेस, वार्ड आया और विक्रम सिंह, वार्ड बॉय शामिल हैं। इसके अलावा, अब्दुल जाकिर, पुरूष पर्यवेक्षक, रूकमणी शर्मा, रवि जमके, सहायक ग्रेड-03, और सुधा एक्का,पीएडीए द्वारा दैनिक उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर नहीं किया गया था। संयुक्त सचालक ने शासकीय कार्य के प्रति घोर लापरवाही और उदासीनता बताते हुए इन सभी कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उन्हें तीन दिन के भीतर लिखित उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

यदि उत्तर असंतोषजनक होता है, तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

मुख्यमंत्री पहुंचे संत गहिरा गुरु आश्रम सामरबार में गुरु पीठाधीश्वर संत श्री बभ्रुवाहन सिंह महाराज से की मुलाकात

-संवाददाता-
जशपुर,29 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बगीचा विकास खंड के ग्राम सामरबार के संत गहिरा गुरु आश्रम में गुरु पीठाधीश्वर संत श्री बभ्रुवाहन सिंह जी महाराज से मुलाकात करके स्वास्थ्य एवं आश्रम गतिविधियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने पूज्य गहिरागुरुजी महाराज के अनुयायियों, कंवर समाज,साहू समाज विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समाज रौतिया ,बिझीयां समाज,यादव समाज, नागवंशी, गौड़ समाज, उरांव समाज,संस्था के ट्रस्टी आश्रम प्रमुख एवं आमसभा सदस्य अन्य समाज के सदस्यगण से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत सदस्य गेंद बिहारी सिंह जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द गुप्ता,कृष्ण कुमार राय,भरत सिंह अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू अन्य लोग उपस्थित थे।

CMYK

मनरेगा बंद करना गरीबों के पेट पर लात....

पूर्व विधायक गुलाब कमरो का सरकार पर तीखा प्रहार

-संवाददाता-
कोरिया,29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक और कोरिया जिले के कद्दावर नेता गुलाब कमरो ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर कड़ा हमला बोला है,ग्रामीण इलाकों की 'रोजगार की जीवनरेखा' कही जाने वाली योजना में कथित कटौती और नई व्यवस्था की चर्चाओं पर उन्होंने गहरा रोष जताया।

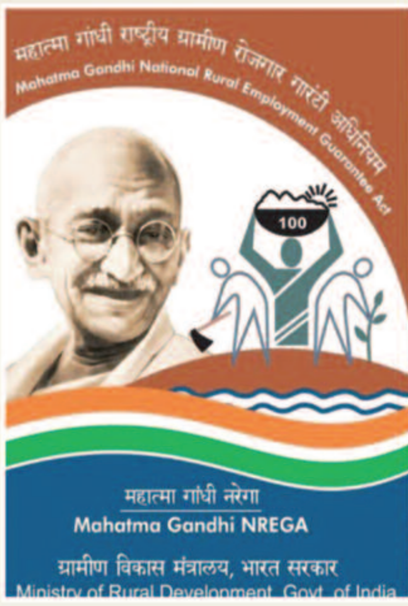

मजदूरों का हक छीना तो उग्र आंदोलन

पूर्व विधायक ने कहा कि मनरेगा कोई साधारण योजना नहीं,बल्कि वनांचल और ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए जीविकोपार्जन का सुरक्षा कवच है, जिसे यूपीए सरकार के दौरान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लागू किया था। उनका आरोप है कि बजट में कटौती और तकनीकी जटिलताओं के जरिए योजना को कमजोर किया जा रहा है, जबकि नई योजना लाने की बातें हो रही हैं,कमरो ने 60:40 के नए अनुपात (60% केंद्र, 40% राज्य) पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब राज्य सरकार खुद बजट संकट की बात कर रही है, तो मजदूरों का भुगतान कैसे सुनिश्चित होगा?

सरकार पर सिलसिलेवार आरोप

- **गरीबों पर प्रहार :** 'महंगाई बढ़ रही है और सरकार गरीबों के हाथ से काम छीन रही है–यह बर्दाश्त नहीं। '
- **पलायन का खतरा:** गांवों में काम रुका तो कोरिया और एमसीबी के मजदूर फिर दूसरे राज्यों की ओर पलायन को मजबूर होंगे।
- **भुगतान में देरी:** कई मजदूरों की मजदूरी लंबित है; नए साल से पहले बकाया राशि जारी होनी चाहिए।

ग्रामीणों के बीच जाकर सच बताएंगे : कमरो ने कहा कि कांग्रेस हमेशा मजदूरों और गरीबों की आवाज रही है। मनरेगा को कमजोर करना सीधे-सीधे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही या इसे बंद करने की साजिश हुई, तो कांग्रेस सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी– 'चुपचाप तमाशा नहीं देखेंगे, पूर्व विधायक के इस कड़े रुख के बाद जिले की राजनीति में हलचल तेज है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बयान पर व्यापक चर्चा है, क्योंकि कोरिया जिले के हजारों परिवार आज भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं।

मनरेगा बनेगा वीबी-जी राम जी !
नाम ही नहीं, नियम भी बदलेंगे

मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने गिनाई 2025 की उपलब्धियां,2026 के लिए दिया संकल्प का संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
गत रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम आकाशवाणी, दूरदर्शन के सभी चैनलों तथा प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सजीव प्रसारण के माध्यम से सुना गया, वहीं रात्रि 8 बजे प्रादेशिक भाषाओं में पुनः प्रसारण भी किया गया। भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के आह्वान पर जिले के 600 से अधिक बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं आम नागरिकों ने सामूहिक रूप से 'मन की बात' का श्रवण किया। जिले के विभिन्न मंडलों में जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसी क्रम में राजपुर मंडल में भारत सिंह सिसोदिया एवं रामकुमार टोप्पो, महामाया मंडल में ललन प्रताप सिंह एवं महापौर मंजूषा भगत,समलाया में हरपाल सिंह भामरा एवं निलेश सिंह , अंबिकापुर ग्रामीण में निश्चल प्रताप सिंह एवं मधु चौदाहा, लखनपुर में विद्यानंद मिश्रा एवं अनिल तिवारी, देवगढ़ में चंद्रिका यादव एवं अजीत सिंह , रामगढ़ में दिनेश साहू एवं सुभाष अग्रवाल, लुंड्रा में अम्बिकेश केशरी एवं अरुणा सिंह,धौरपुर में निरूपा सिंह एवं वैभव सिंह देव,दरिमा में इंदर भगत एवं सोमनाथ सिंह,परसा में मधुसूदन शुक्ला एवं दिव्या सिंह सिसोदिया,कुन्नी में राजेन्द्र जायसवाल एवं अनिल प्रताप सिंह, सीतापुर में अनिल अग्रवाल एवं श्रवण दास, बतौली में विनोद हर्ष,महेंद्र सिंह एवं डी. के. पुरिया, मैनपाट में अनिल सिंह मेजर एवं विजय व्यापारी तथा नवापारा मंडल में रजनीश पाण्डेय एवं जनमेजय मिश्रा अतिथि के रूप में शामिल रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वर्ष 2025 को भारत के लिए गौरवशाली बताया।

युवा कांग्रेस व एनएसयूआई ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में किया पुतला दहन,प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों एवं हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों के विरोध में आज युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया,यह प्रदर्शन युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेन्द्र यादव एवं एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में आयोजित हुआ,कार्यकर्ताओं ने विश्राम गृह से पदयात्रा करते हुए अग्रसेन चौक, सूरजपुर में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया तथा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की विदेश नीति को विफल बताते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई का यह प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, मानवाधिकार और भारत की विदेश नीति को लेकर दबाव बनाने की राजनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

विदेश नीति पर सवाल

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं,हत्याओं की घटनाएं सामने आ रही हैं और इसके बावजूद भारत सरकार की ओर से कोई ठोस व प्रभावी प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश सहित अन्य देशों में बढ़ती हिंदू-विरोधी घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं, लेकिन इस पर केंद्र सरकार की चुप्पी समझ से परे है, युवा कांग्रेस व एनएसयूआई नेताओं ने यह भी कहा कि बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों, विशेषकर जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों को लेकर भारत सरकार का विदेश विभाग एवं खुफिया तंत्र हालात का सही आकलन करने में विफल साबित हो रहा है। धर्म या राजनीति के आधार पर किसी भी प्रकार की हिंसा दुनिया के किसी भी हिस्से में अस्वीकार्य है।

दृढ़ रुख अपनाने की मांग

ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से मांग की गई कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तरह दृढ़ और सैद्धांतिक रुख अपनाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट संदेश दे। नेताओं ने कहा कि यदि सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाती है, तो कांग्रेस पार्टी देशहित में उसका समर्थन करेगी।

बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता रहे उपस्थित

इस दौरान पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन में शहर व जिले के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों की सहभागिता देखने को मिली।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की प्रदेशव्यापी हड़ताल शुरू

कोरिया में प्रेमाबाग धरना स्थल से पहले दिन का आगाज...

-संवाददाता-
कोरिया,29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
आज छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले घोषित प्रदेशव्यापी हड़ताल के पहले दिन की शुरुआत कोरिया जिले में प्रेमाबाग,बैकुंठपुर स्थित धरना-प्रदर्शन प्रांगण से हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर, राज्य गीत के सामूहिक गायन के साथ किया गया, धरना-प्रदर्शन में जिले के विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी साथी उपस्थित रहे, इस दौरान 11 सूत्रीय मांगों को लेकर एक-एक कर वक्ताओं ने अपनी व्यथा रखी और शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्यक्त किया,

प्रदेशव्यापी हड़ताल के पहले दिन कोरिया जिले में कर्मचारियों की एकजुटता, अनुशासन और संगठनात्मक शक्ति स्पष्ट रूप से देखने को मिली। आने वाले दिनों में आंदोलन के और तेज होने के संकेत भी धरना स्थल से मिले।

11 सूत्रीय मांगों पर मुखर हुई आवाज : हड़ताल में शामिल कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से लंबित मांगों की अनदेखी के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। सभी वक्ताओं ने मांगों को विस्तार से रखते हुए आगे की आंदोलनात्मक रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया। साथ ही आने वाले दिनों में कार्यक्रम को और अधिक वृहद व प्रभावी बनाने की रूपरेखा तय की गई।

संगठनात्मक एकजुटता का प्रदर्शन : कार्यक्रम का सफल संचालन सुरेश एक्का (जिला प्रवक्ता) एवं अमृतांशु मिश्रा द्वारा किया गया, हड़ताल को सफल बनाने में सभी जिला पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण धरना स्थल पर उमड़ी भारी भीड़ के रूप में देखने को मिला, इस पूरे आंदोलन में राजेंद्र सिंह दद्दा,जिला संयोजक एवं संभागीय प्रभारी की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

आभार प्रदर्शन

कार्यक्रम के अंत में जिला संयोजक डॉ. आर.एस. चंदे ने हड़ताल में शामिल सभी अधिकारी-कर्मचारी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एकजुटता ही आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत विज्ञान में उत्कृष्ट 10 छात्र शैक्षणिक भ्रमण पर भोपाल रवाना

-संवाददाता-
कोरिया, 29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, रायपुर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत, जिला प्रशासन कोरिया के निर्देशानुसार विज्ञान विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के 10 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु साइंस सेंटर भोपाल (मध्यप्रदेश) के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया विनोद कुमार राय एवं सहायक संचालक

जितेंद्र गुप्ता ने विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं, उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बनाए रखने, प्रयोगात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने तथा भ्रमण के दौरान अर्जित ज्ञान को अपने विद्यालयों और सहपाठियों के साथ साझा करने की अपील की,अधिकारियों ने कहा कि यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे भविष्य में अनुसंधान और तकनीक के प्रति उनकी रुचि और मजबूत होगी।

शैक्षणिक भ्रमण हेतु चयनित विद्यार्थी...

- हरिओम रजवाड़े - सेजेस चरचा
- दीपांशु राजवाड़े - सेजेस चरचा
- पंकज साहू - हायर सेकेंडरी स्कूल रनई
- अनुराग कृष्ण पाण्डेय - हायर सेकेंडरी स्कूल रनई
- सत्येंद्र कुमार पैकरा - रामानुज बैकुंठपुर
- राधेश्याम पैकरा - रामानुज बैकुंठपुर
- चंद्रकांत - हायर सेकेंडरी स्कूल कूड़ेली
- सुजल सोनी - हायर सेकेंडरी स्कूल कूड़ेली
- प्रतीक गुप्ता - सेजेस सोनहत
- मो. हमजा - सेजेस बैकुंठपुर

पंचदेव बस्ती में हिंदू महासम्मेलन संपन्न,समरसता और संस्कृति का संदेश

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
नगर की पंचदेव बस्ती में हिंदू जन जागरण समिति पंचदेव बस्ती द्वारा आयोजित हिंदू महासम्मेलन दुर्गा पंडाल, सूरजपुर में भव्य और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विजय शर्मा उपस्थित रहे।

संघ शताब्दी वर्ष और पंच परिवर्तन का संदेश- अपने उद्बोधन में विजय शर्मा ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में हो रहे हिंदू महासम्मेलन समाज में समरसता, भेद-भिन्नता के उन्मूलन और अपनी संस्कृति पर गर्व की भावना को जागृत करने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है, जिसका न आदि है न अंत। हिंदू समाज को सभी भेद भूलकर मूल हिंदुत्व की भावना को आत्मसात करना होगा, उन्होंने पंच परिवर्तन के पाँच बिंदुओं–सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व-आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध–को जीवन में अपनाने का आह्वान किया और कहा कि इन्हीं मूल्यों से भारत पुनः अपने गौरव को प्राप्त कर सकता है।

परिवार और संस्कार पर जोर- मातृशक्ति के रूप में उपस्थित डॉ. शिवांजलि सिंह ने कहा कि परिवार में संस्कार और संयुक्त भाव मजबूत होंगे तो देश भी सशक्त बनेगा। उन्होंने सप्ताह में कम से कम एक दिन पूरे परिवार के साथ भोजन और भजन करने की प्रेरणा दी।

संस्कृति का सम्मान ही राष्ट्र सम्मान- कार्यक्रम के अतिथि संत स्वामी पुरी जी महाराज ने कहा कि अपनी संस्कृति और बड़ों का सम्मान ही सच्चा राष्ट्र सम्मान है। हम सभी भारत माता की संतान हैं, इसलिए हमारे बीच किसी भी प्रकार का भेद नहीं होना चाहिए, नन्ही बच्ची श्रेयजल गुप्ता ने सरल शब्दों में पंच परिवर्तन की जानकारी देकर समाज से इसे अपने जीवन में अपनाने की अपील की।

रिश्वत पर निलंबन, सज़ा में आराम!

वीडियो सही,दोष सिद्ध,फिर भी 'निलंबन का आराम'
रिश्वत ली,पकड़े गए...तो बर्खास्तगी क्यों नहीं?

भ्रष्टाचार का इनाम : आधा वेतन...पूरा आराम
जब रिश्वत की सज़ा छुट्टी बन जाए...

रिश्वत पर निलंबन,बर्खास्तगी पर चुप्पी-क्या यही है 'सुधार' की परिभाषा?
पटवारी की रिश्वत लेती वायरल वीडियो ने खड़े किए गंभीर सवाल...
निलंबन तक सीमित कार्रवाई या भ्रष्टाचार को बचाने की पुरानी परंपरा?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,29 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर तहसील में पदस्थ पटवारी अमरेश पाण्डेय का किसानों से रिश्वत लेते हुए वायरल वीडियो सामने आने के बाद राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर कठघरे में खड़ी है। विभागीय जांच में वीडियो की सत्यता स्वीकार किए जाने के बाद पटवारी को निलंबित कर दिया गया है,लेकिन कार्रवाई यहीं रुक जाना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

बता दे की छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में पटवारी अमरेश पाण्डेय का रिश्वत लेते हुए वायरल वीडियो सिर्फ एक व्यक्ति की बेईमानी नहीं,बल्कि पूरे राजस्व तंत्र के सड़ते ढांचे का आईना है,वीडियो की सत्यता विभागीय जांच में सही पाई गई, रिश्वत लेने की बात स्वीकार कर ली गई, और उसके बाद हमेशा की तरह निलंबन, यहीं से असली सवाल शुरू होता है, जब रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने जैसा स्पष्ट प्रमाण मौजूद है,तब एफ़आईआर क्यों नहीं? जब भ्रष्टाचार सिद्ध है,तब बर्खास्तगी क्यों नहीं? निलंबन कोई सज़ा नहीं, बल्कि कई मामलों में यह आराम की सरकारी छुट्टी बन चुका है आधा वेतन,कोई काम नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। यह व्यवस्था अपराध को दंडित नहीं करती,बल्कि उसे समय देती है,ताकि मामला ठंडा हो जाए, लोग भूल जाएं, और फिर वही चेहरा किसी और हल्के आदेश से बहाल हो जाए,राजस्व विभाग में रिश्वत कोई अपवाद नहीं रही, बल्कि यह एक अनकही परंपरा बन चुकी है। वर्षों से किसान कहते आए हैं पैसा दो, तभी काम होगा। अब जब वही बात वीडियो में कैद होकर सामने आ गई,तब भी अगर प्रशासन सिर्फ निलंबन तक सीमित है,तो यह साफ संकेत है कि व्यवस्था खुद अपराधी को बचाने में रुचि रखती है,और सवाल सिर्फ रिश्वत तक सीमित नहीं है, क्या आय से अधिक संपत्ति की जांच होगी? क्या स्वतंत्र एजेंसी से पड़ताल कराई जाएगी? या फिर यह मामला भी फाइलों की कब्र में दफन कर दिया जाएगा? अगर इस प्रकरण में कठोर, अंतिम और सार्वजनिक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह तय है, रिश्वत रुकेगी नहीं, ईमानदार कर्मचारी हतोत्साहित होंगे और जनता का भरोसा प्रशासन से पूरी तरह टूटेगा, अब फैसला प्रशासन को करना है यह मामला मिसाल बनेगा या एक और भुला दी गई फाइल।

वायरल वीडियो ने खोली व्यवस्था की पोल...

वायरल वीडियो में पटवारी किसानों से खुलेआम पैसे मांगते और किस काम के कितने पैसे लेने हैं, इस पर मोलभाव करते दिखाई दे रहे हैं। यह वही कार्य हैं, जिन्हें नियमों के तहत उन्हें निःशुल्क करना होता है। शासन से नियमित वेतन और भत्ते पाने के बावजूद इस तरह की वसूली, राजस्व विभाग में वर्षों से चली आ रही उस परंपरा की पुष्टि करती है, जिसकी चर्चा आमजन लंबे समय से करते रहे हैं।

सवालों के घेरे में सिर्फ पटवारी नहीं...पूरा विभाग...

मामला बैकुंठपुर तहसील के एक गांव से जुड़ा है,जहां किसानों के अनुसार रिश्वत दिए बिना काम होना लगभग असंभव था। वीडियो सामने आने के बाद विभाग ने त्वरित निलंबन तो किया,लेकिन एफ़आईआर, बर्खास्तगी या आपराधिक कार्रवाई को लेकर अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाया गया है।

निलंबनः कार्रवाई या बचाव की रणनीति?

सबसे बड़ा सवाल यही है,जब वीडियो सही पाया गया,जब रिश्वत लेने की बात विभाग ने मान ली,तो बर्खास्तगी और आपराधिक मामला दर्ज करने में देरी क्यों? निलंबन के बाद आरोपी पटवारी को जीवन निर्वाह भत्ता (आधा वेतन) मिल रहा है। पूर्व के मामलों को देखें तो आशंका स्वाभाविक है कि क्या यह निलंबन समय गुजरने के साथ बहाली का रास्ता खोलने की सोची-समझी रणनीति तो नहीं?

कार्यकाल पर गंभीर आरोप, किसानों में राहत...

सूत्रों के अनुसार अमरेश पाण्डेय का पूरा कार्यकाल भ्रष्टाचार की शिकायतों से भरा रहा है। जहां-जहां उनकी पदस्थापना रही,वहां किसानों की नाराज़गी और शिकायतें सामने आती रहीं, जो कथित तौर पर राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव में दबा दी गईं। निलंबन के बाद कई गांवों में किसानों के बीच राहत और संतोष की भावना देखी जा रही है, और अब उनकी मांग साफ है,स्थायी बर्खास्तगी।

आखिरी सवालः वेतन के बावजूद रिश्वत क्यों?

शासन कर्मचारियों का वेतन-भत्ता तय करता है ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। फिर भी यदि रिश्वत ली जा रही है,तो यह व्यक्तिगत लालच, व्यवस्था की ढील,या कार्रवाई के डर का अभाव क्या है? यदि वेतन अपर्याप्त है तो उसका संवैधानिक रास्ता है, रिश्वत नहीं।

आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग...

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि पटवारी की संपत्तियां उनकी आय से मेल नहीं खातीं, ऐसे में सवाल उठता है, क्या आय से अधिक संपत्ति की जांच होगी? क्या किसी स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जाएगी? यह मांग अब सिर्फ आरोप नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षा बन चुकी है।

चिरमिरी-नागपुर रेलवे लाइन परियोजना में भू-स्वामियों को बड़ी राहत

नई मार्गदर्शिका से प्राथमिक प्रतिकर में 3.35 करोड़ रुपये की वृद्धि

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर 29 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। रेल अधिनियम 1989 के तहत चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट नई ब्रॉडगेज रेलवे लाइन परियोजना के लिए अधिग्रहित की जा रही भूमि के मामलों में प्रभावित भू-स्वामियों के लिए राहतभरी खबर सामने आई है,शासन द्वारा जारी नवीन मार्गदर्शिका उपबंध 2025-26 और अद्यतन बाजार मूल्य के आधार पर प्राथमिक प्रतिकर राशि का पुनः परीक्षण कर उसे संशोधित किया गया है, इस पुनर्गणना में केवल भूमि का बाजार मूल्य ही नहीं, बल्कि संरचनाएं,परिसंपत्तियां और अन्य वैधानिक मदों को भी शामिल किया गया है। यह संशोधित गणना परियोजना से प्रभावित सभी हितग्राहियों पर समान रूप से लागू होगी।

किन गांवों को मिलेगा सीधा लाभ...

नवीन मार्गदर्शिका लागू होने के बाद उपतहसील नागपुर, तहसील मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत चिरईपानी,सरोला,बंजी,खैरबना एवं सरभोका ग्रामों में अधिग्रहित भूमि के प्रतिकर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

आंकड़ों में राहत

पुरानी मार्गदर्शिका (2019-20) के अनुसारः कुल प्राथमिक प्रतिकर ङ्क 6,01,56,713 नई मार्गदर्शिका (2025-26) के अनुसारः कुल प्राथमिक प्रतिकर- 9,37,50,677 कुल वृद्धिः 3,35,93,964 इस बढ़ोतरी से बड़ी संख्या में प्रभावित किसानों और भू-स्वामियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

अनंतिम है गणना,आपत्तियों के बाद होगा अंतिम निर्णय

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह संशोधित प्राथमिक प्रतिकर अनंतिम है, दावे और आपत्तियों पर विधिवत सुनवाई के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा, अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी (भू-अर्जन) अनिल कुमार सिदार के आदेशानुसार यह प्रक्रिया शासन की नवीन नीति और पारदर्शी व्यवस्था के अनुरूप की जा रही है, जिला प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों में प्रकाशन के भी निर्देश जारी किए हैं। रेलवे जैसी बड़ी आधारभूत परियोजना के साथ-साथ प्रभावित नागरिकों के हितों की सुरक्षा की दिशा में यह फैसला संतुलन और संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण माना जा रहा है।

भाजयुमो का प्रदेशव्यापी पुतला दहन,बैकुंठपुर में भी उग्र प्रदर्शन

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,29 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर सनातन धर्म विरोधी होने का आरोप लगाते हुए प्रदेशभर में पुतला दहन किया। बैकुंठपुर में भी भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा कि सनातन धर्म का विरोध केवल भूपेश बघेल ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के कई नेताओं द्वारा लगातार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा एवं पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विरोध से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस नेताओं को किसी तय स्क्रिप्ट के तहत काम करने को कहा गया है, उन्होंने यह भी कहा कि रामसेतु को काल्पनिक बताने और भगवान श्रीराम पर सवाल उठाने जैसे पुराने बयानों से कांग्रेस की मानसिकता उजागर होती है। राम मंदिर निर्माण के बाद आमंत्रण मिलने पर भी गांधी परिवार का दर्शन न करना,इसी सोच को दर्शाता है।

साधु-संतों और आस्था का अपमान बर्दाश्त नहीं...

भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने बार-बार सनातन धर्म के मान-बिंदुओं और साधु-संतों का अपमान किया है,उन्होंने कहा कि पं. प्रदीप मिश्रा के प्रवचनों में शिव-भक्ति के लिए गांव-गांव, गली-गली से श्रद्धालु उमड़ते हैं और पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री देश-विदेश में बागेश्वर धाम की महिमा का प्रचार कर सनातन को जागृत कर रहे हैं, ऐसे संतों पर टिप्पणी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर चोट है,जिलाध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि धर्मांतरण से जुड़े लोगों को संरक्षण देने वालों को सनातन और साधु-संतों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

कार्यक्रम में रहे प्रमुख रूप से उपस्थित-

प्रदर्शन में पूर्व नपा अध्यक्ष शैलेश शिवहरे, अनिल खटीक,अनिल साहू, शारदा गुप्ता,भाजयुमो जिला महामंत्री साक्षी सिंह राजपूत,तीरथ राजवाड़े, रमन गुप्ता,रवि त्रिपाठी,अभिनेद्र सिंह चंदेल,बिजेंद्र जायसवाल,मनीष साहू,रोशन राजवाड़े,विकास दुबे,राजीव घोष,अरुण राज,नितिन जायसवाल,विक्की राजपूत,मोंटू देवागन,संतोष देवागन,लल्ला यादव,नरेश राजवाड़े,संतोष यादव, जय राजवाड़े,प्रवेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 9340154656, 98265-32611

एसएस प्लाजा के दुकान मे लगे आग को दमकल की मदद से पाया गया नियंत्रण

-संवाददाता-
कोरबा,29 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के हृदय स्थल मुख्य मार्ग में संचालित व्यावसायिक परिसर एसएस प्लाजा में सोमवार सुबह लगभग 6 बजे भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद देखते ही देखते पूरे एसएस प्लाजा में धुआं फैल गया और कई दुकानें इसकी चपेट में आ गयी। इसमें मुख्य रूप से बालाजी स्टील, पद्मिनी ज्वेलर्स, बालाजी क्लॉथ भंडार और दो छोटी दुकानें जली है। जानकारी देते हुए बताया जा रहा है आग पर काबू पाने लगभग 5 घंटे का वक्त लग गया लेकिन पूरी तरह से अब भी काबू नहीं पाया जा सका हैं। स्थिति को देखते हुए एसएस प्लाजा के आसपास लगभग 50 दुकानें बंद करा दी गई । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण राहत कार्यों में बाधा आ रही थी, लेकिन अंत में आग पर काबू पाया गया है।आग लगने के बाद एसएस प्लाजा परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। स्थानीय व्यापारी और दुकानदार अपनी अन्य दुकानों को बचाने के लिए सामान बाहर निकालने में जुटे रहे। जानकारी के अनुसार शॉर्ट-सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही हैं। आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। शॉर्ट-सर्किट को आग का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। अब तक इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन आर्थिक नुकसान काफी अधिक होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है के दुकानदारों को लाखों का नुकसान हुआ है। एएसपी नीतिश ठाकुर ने कहा कि सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला, नगर निगम निगम की टीम मौके पर पहुंच गई थी। आग में लगभग काबू पा लिया गया है। अंदर के सामानों से उठ रहे धुएं को नियंत्रित किया जा रहा है। जनहानि की कोई सूचना नहीं हैं। इसके बाद नुकसान का आंकलन किया जाएगा। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन ने कहा की प्लास्टिक के सामानों के कारण आग फैल गई। घटना स्थल पर पहुंचे पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बिजली विभाग की लचर व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बिना किसी ठोस योजना के शहर में जगह-जगह ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, जिससे शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं और आमजन की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका निगम को भी अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभानी होगी। जहां विद्युत कनेक्शन देने या वितरण व्यवस्था में लापरवाही नजर आए या नियमों को ताक पर रखकर ट्रांसफार्मर लगाए गए हों, ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व मंत्री ने चेतावनी दी कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता। पूर्व मे भी कोरबा के ट्रांसपोर्ट नगर मेन रोड पर कई दुकाने आग के चपेट मे आने से जल गई थी, जिसमे एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। अब प्रश्न यह है की इन घटनाओ से होने वाले जनहानि एवं आर्थिक हानि का जिम्मेदार कौन ?

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी (भू-अर्जन)

जिला -मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

फोन: - 07771-299057 ई-मेल : -collector-mcb@cg.gov.in

क्रमांक/ 7620 /न्याया.अपर कले./भू-अर्जन/2025 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 31/12/2025

// रेल अधिनियम, 1989 की धारा- 20 च(4) के अंतर्गत//

//संशोधित लोक-सूचना//

विषय:- **प्रस्तावित रेलवे परियोजना हेतु भूमि/संरचना के अधिग्रहण के पूर्व प्रतिकर राशि के निर्धारण एवं आपत्तियों हेतु लोकसूचना।**

यह विदित हो, कि रेल अधिनियम, 1989 के अंतर्गत **चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट नई ब्राड गेज रेल्वे लाईन छत्तीसगढ़ रेलवे परियोजना** के निर्माण हेतु निम्नलिखित ग्रामों की भूमि/संरचनाओं को अधिग्रहण हेतु प्रस्तावित किया गया है।

उक्त अधिग्रहण हेतु प्राथमिक प्रतिकर राशि (Provisional Compensation) की गणना की जा रही है। इस संबंध में निम्न विवरण प्रस्तुत है—

1. प्रस्तावित अधिग्रहित भूमि/संरचना का विवरण-

क्रमांक	अधिग्रहण का विवरण	
1	ग्राम/नगर	खैरबना
2	तहसील	मनेन्द्रगढ़
3	जिला	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर
4	खसरा/प्लॉट नंबर एवं अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल	(नीचे तालिका अनुसार)
5	भूमि का प्रकार : कृषि योग्य/अकृषि/आवासीय/व्यावसायिक आदि	प्रपत्र – क अनुसार
6	स्वामी/दावेदार का नाम	प्रपत्र – क अनुसार

क्र.	खसरा नं.	रकबा	क्र.	खसरा नं.	रकबा
1	346	0.180	20	324/2	0.040
2	344/1	0.080	21	324/3	0.050
3	344/2	0.170	22	325	0.660
4	350	0.020	23	326	0.200
5	343	1.130	24	327	0.220
6	338	0.020	25	297/1	0.090
7	341/2	0.130	26	243	0.230
8	342	0.030	27	183	0.110
9	341/1	0.460	28	292/1	0.250
10	316	0.020	29	292/2	0.010
11	322/1	0.380	30	245/1	0.020
12	322/2	0.800	31	249	0.120
13	322/3	0.070	32	290	0.520
14	315	0.010	33	263/1	0.130
15	317	0.140	34	263/2	0.170
16	313	0.050	35	265	0.550
17	300/3	0.020	36	271	0.340
18	323	0.220	37	270	0.170
19	324/1	0.040	38	268	0.170
	कुल खसरे – 38			कुल रकबा – 8.020 हे.	

//2//

प्रतिकर राशि निर्धारण हेतु आधार -

क्रमांक	अधिग्रहण भूमि के प्रतिकर राशि का विवरण	
1	छत्तीसगढ़ बाजार मूल्य निर्धारण संबंधी उपबंध 2025-26 का एवं वर्तमान वर्तमान बाज़ार मूल्य।	प्रपत्र – क अनुसार
2	भूमि का उपयोग/प्रकृति	प्रपत्र – क अनुसार
3	संरचना/फसल/वृक्षों का मूल्यांकन	प्रपत्र – ख अनुसार
4	रेलवे परियोजना से प्रभावित अन्य परिसंपत्तियों का मूल्य	प्रपत्र – क अनुसार
5	अधिनियम/नियमों के अनुसार देय अन्य लाभ	प्रपत्र – क अनुसार

3. आपत्ति/दावा प्रस्तुत करने की सूचना -

उक्त प्राथमिक प्रतिकर गणना के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को भूमि स्वामित्व, क्षेत्रफल, वर्गीकरण, मूल्यांकन एवं प्रतिकर राशि के संबंध में कोई **आपत्ति, दावा या अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करना चाहते हों**, तो स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से निम्नलिखित अवधि एवं स्थान पर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें -

- आपत्ति ग्राह्य करने की अवधि तिथि :- 12/01/2026 से 02/02/2026 तक **(अवकाश दिवस-प्रत्येक शनिवार, रविवार तथा दिनांक 26/01/2026 एवं अन्य घोषित शासकीय अवकाश को छोड़कर)**
- प्रस्तुति का स्थान :- न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, छत्तीसगढ़ (कक्ष क्र. - 08)
- समय :- प्रातः 12:00 से दोपहर 03:00 बजे तक

4. महत्वपूर्ण सूचना

1. नियत समय के भीतर प्राप्त दावों/आपत्तियों पर विचार किया जाएगा।
2. उचित प्रक्रिया पश्चात **प्रतिकर राशि का अंतिम अवॉर्ड** पारित किया जाएगा।
3. प्रभावित भू-स्वामियों को सुनवाई हेतु पृथक से सूचना जारी की जावेगी।

5. संपर्क अधिकारी

नाम : श्री अनिल कुमार सिदार
पद : अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी
कार्यालय : कलेक्टर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
फोन : 07771-299057
ई-मेल : collector-mcb@cg.gov.in

मुहर

Anil Sidar
(अनिल कुमार सिदार)
अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी (भू-अर्जन)
चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट नई ब्राड गेज
रेल्वे लाईन छत्तीसगढ़ रेलवे परियोजना
जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर
(छत्तीसगढ़)

<u>मुआवजा गणक पत्रक – क</u>

ग्राम– खैरबना तहसील– मनेंद्रगढ जिला– मनेंद्रगढ–चिरमिरी–भरतपुर (छ०ग०)

	हितबद्ध व्यक्ति/भूमि स्वामी का नाम	खसरा नम्बर	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (रकबा हेक्टे. में)	प्रचलित गाईड लाईन के अनुसार बाजार मूल्य प्रति हे० की दर से (राशि रु. में): मुख्य मार्ग से पर स्थित भूमि	सिंचित भूमि	असिंचित भूमि (सिंचित भूमि का 80 प्रतिशत)	अर्जित भूमि का मूल्यांकन (प्रतिकर की राशि रूपये में)	भूमि अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र का गुणांक (2.0) (बाजार मूल्य सहित)	परिसम्पत्तियों के प्रतिकर का विवरण (राशि रूपये में): वृक्ष	भवन/बाउंड्रीवाल	कूप/कुआं	नल कूप	योग स्तम्भ (10)+(11)+(12)+(13)	प्रतिकर की कुल राशि (9+14) में	भूमि अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–105 के संशोधन क धारा 30(1)के अन्तर्गत 100 प्रतिशत अतिरिक्त तोषण राशि	भूमि अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–105 के संशोधन की धारा–30(3) के अन्तर्गत 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 8 माह की अतिरिक्त धन राशि (कॉलम 08x12x8/12x100)	प्रतिकर की कुल देय राशि पूर्णांक में
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1	कुवरसाय आ० सोहन	346	0.180	1558000.00	1085000.00	868000.00	156240.00	312480.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	312480.00	312480.00	12499.20	3,24,979
2	जगनारायण पिता परसोत्तम	344/1	0.080	1558000.00	1085000.00	868000.00	69440.00	138880.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	138880.00	138880.00	5555.20	1,44,435
3	श्रीमति झिंगोली जौ. जिरकू	344/2	0.170	1558000.00	1085000.00	868000.00	147560.00	295120.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	295120.00	295120.00	11804.80	3,06,925
4	श्रीमति झिंगोली जौ.जिरकू	350	0.020	1558000.00	1085000.00	868000.00	17360.00	34720.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	34720.00	34720.00	1388.80	36,109
5	नारायण पिता ठाकुर	343	1.130	1558000.00	1085000.00	868000.00	980840.00	1961680.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1961680.00	1961680.00	78467.20	20,40,147
6	दोषमोहम्मद, शाह मोहम्मद आ० आलम खान	338	0.020	1558000.00	1085000.00	868000.00	17360.00	34720.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	34720.00	34720.00	1388.80	36,109
7	भागीरथी पिता जयकरण	341/2	0.130	1558000.00	1085000.00	868000.00	112840.00	225680.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	225680.00	225680.00	9027.20	2,34,707
8	इतवारिया, समयलाल, सावित्री आ० बैसाखु, शांति, सुशीला पुत्री बुधु, कुइसी बेवा बुधु	342	0.030	1558000.00	1085000.00	868000.00	26040.00	52080.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	52080.00	52080.00	2083.20	54,163
9	इतवारिया बेवा बैसाखु, समयलाल आ० बैसाखु, सावित्री पुत्री बैसाखु, शांति, सुशीला पुत्री बुधु, कुइसी बेवा बुधु	341/1	0.460	1558000.00	1085000.00	868000.00	716680.00	1433360.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1433360.00	1433360.00	57334.40	14,90,694
10	प्रेम सिंह,सम्पत सिंह, भोला सिंह कृष्ण कन्हैया, कंवला सिंह आ० नन्दलाल सिंह	316	0.020	1558000.00	1085000.00	868000.00	17360.00	34720.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	34720.00	34720.00	1388.80	36,109
11	गुलाम नबी आ० जयारत खान	322/1	0.380	1558000.00	1085000.00	868000.00	592040.00	1184080.00	0.00	1910427.74	0.00	0.00	1910427.74	3094507.74	3094507.74	47363.20	31,41,871
12	गुलामरसूल आ० जयारत खान	322/2	0.800	1558000.00	1085000.00	868000.00	1246400.00	2492800.00	0.00	2072116.82	0.00	0.00	2072116.82	4564916.82	4564916.82	99712.00	46,64,629
13	गुलामरसूल आ०जयारत खान	322/3	0.070	1558000.00	1085000.00	868000.00	109060.00	218120.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	218120.00	218120.00	8724.80	2,26,845
14	प्रेम सिंह, सम्पत सिंह, भोला सिंह, कृष्ण कन्हैया, कंवला सिंह आ० नन्दलाल सिंह	315	0.010	1558000.00	1085000.00	868000.00	8680.00	17360.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	17360.00	17360.00	694.40	18,054
15	प्रेम सिंह, सम्पत सिंह, भोला सिंह, कृष्ण कन्हैया, कंवला सिंह आ० नन्दलाल सिंह	317	0.140	1558000.00	1085000.00	868000.00	218120.00	436240.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	436240.00	436240.00	17449.60	4,53,690
16	प्रेम सिंह, सम्पत सिंह, भोला सिंह, कृष्ण कन्हैया, कंवला सिंह आ० नन्दलाल सिंह	313	0.050	1558000.00	1085000.00	868000.00	43400.00	86800.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	86800.00	86800.00	3472.00	90,272
17	मनोज कुमार, रंजीत, अनुज कुमार मिंज सभी आ० लुदन	300/3	0.020	1558000.00	1085000.00	868000.00	17360.00	34720.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	34720.00	34720.00	1388.80	36,109
18	आशीष कुमार, कुलदीप कुमार, सुदीप कुमार आ० विजय प्रसाद	323	0.220	1558000.00	1085000.00	868000.00	342760.00	685520.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	685520.00	685520.00	27420.80	7,12,941
19	जगनारायण पिता परसोत्तम	324/1	0.040	1558000.00	1085000.00	868000.00	34720.00	69440.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	69440.00	69440.00	2777.60	72,218
20	रूपनारायण पिता परसोत्तम	324/2	0.040	1558000.00	1085000.00	868000.00	34720.00	69440.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	69440.00	69440.00	2777.60	72,218
21	शुकुल पिता परसोत्तम	324/3	0.050	1558000.00	1085000.00	868000.00	77900.00	155800.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	155800.00	155800.00	6232.00	1,62,032
22	मेवालाल, धरम सिंह आ० बोगा, गेंदिया बाई बेवा बोगा, जयपाल, प्रभुसिंह आ० देवसाय, फुलबसिया बेवा देवसाय, लाल सिंह, सुमित्रा, प्रेमा बाई पुत्री चन्द्रभान,	325	0.660	1558000.00	1085000.00	868000.00	572880.00	1145760.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1145760.00	1145760.00	45830.40	11,91,590
23	श्रीमति कुन्ती बाई पुत्री भैयाराम	326	0.200	1558000.00	1085000.00	868000.00	311600.00	623200.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	623200.00	623200.00	24928.00	6,48,128
24	झिंगोली बेवा जिरकू, राकेश कुमार, अलका कुमारी आ० जिरकू	327	0.220	1558000.00	1085000.00	868000.00	342760.00	685520.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	685520.00	685520.00	27420.80	7,12,941
25	राजकुमार पिता केशराम	297/1	0.090	1558000.00	1085000.00	868000.00	140220.00	280440.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	280440.00	280440.00	11217.60	2,91,658
26	सोनकली बेवा बच्चालाल,प्रताप सिंह, सुनील सिंह, अजय सिंह,लालसाय आ० धीरू, बाई पुत्री धीरू, बिलसिया बेवा धीरू संजय सिंह, अमृता सिंह माता सावित्री	243	0.230	1558000.00	1085000.00	868000.00	358340.00	716680.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	716680.00	716680.00	28667.20	7,45,347
27	राय सिंह आ० रामसाय, सुकवरिया पुत्री रामसाय गोंड	183	0.110	1558000.00	1085000.00	868000.00	171380.00	342760.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	342760.00	342760.00	13710.40	3,56,470
28	राम सिंह, पप्पू आ० हीरा साय, सुमित्रा, चमेली पुत्री हीरासाय, देवकुवर बेवा हीरासाय, शिवमंगल, जयमंगल आ०समारू	292/1	0.250	1558000.00	1085000.00	868000.00	217000.00	434000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	434000.00	434000.00	17360.00	4,51,360
29	राजकुमार आ० केशराम	292/2	0.010	1558000.00	1085000.00	868000.00	8680.00	17360.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	17360.00	17360.00	694.40	18,054
30	राजकुमार आ० केशराम	245/1	0.020	1558000.00	1085000.00	868000.00	17360.00	34720.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	34720.00	34720.00	1388.80	36,109
31	चमन पिता बुद्धा	249	0.120	1558000.00	1085000.00	868000.00	104160.00	208320.00	0.00	979418.00	0.00	0.00	979418.00	1187738.00	1187738.00	8332.80	11,96,071
32	राजेश, राकेश, आ० धनुकसाय, सरिता, सविता, अजना, पिरियम पुत्री धनुकसाय	290	0.520	1558000.00	1085000.00	868000.00	451360.00	902720.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	902720.00	902720.00	36108.80	9,38,829
33	मंगल, बच्चन, ललुवा, गेंदी आ० ललुवा, फुलबस बेवा ललुवा	263/1	0.130	1558000.00	1085000.00	868000.00	112840.00	225680.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	225680.00	225680.00	9027.20	2,34,707
34	सम्पत आ० कृपाल, बिरझनबाई आ० कृपाल	263/2	0.170	1558000.00	1085000.00	868000.00	147560.00	295120.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	295120.00	295120.00	11804.80	3,06,925
35	फलमती बेवा सुखदेवकिशुन आ० सुखदेव, तेज सिंह, धरमपाल आ० सुखदेव, शुकवरिया आ० सुखदेव	265	0.550	1558000.00	1085000.00	868000.00	477400.00	954800.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	954800.00	954800.00	38192.00	9,92,992
36	बुधीबाई, सुधीबाई, पुत्री तिलक राम फुलमतिया बेवा तीलकराम, बिरझू आ० रानू	271	0.340	1558000.00	1085000.00	868000.00	295120.00	590240.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	590240.00	590240.00	23609.60	6,13,850
37	इंदकुवर बेवा बच्चालाल	270	0.170	1558000.00	1085000.00	868000.00	147560.00	295120.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	295120.00	295120.00	11804.80	3,06,925
38	पिताम्बर आ० धनसाय	268	0.170	1558000.00	1085000.00	868000.00	147560.00	295120.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	295120.00	295120.00	11804.80	3,06,925
	योग:-		8.020				9010660.00	18021320.00	0.00	4961962.56	0.00	0.00	4961963	22983282.56	22983282.56	720852.80	2,37,04,135

Anil Sidar
अपर कलेक्टर
एवं प्राधिकृत अधिकारी (भू–अर्जन)
चिरमिरी–नागपुर हॉल्ट नई ब्राड गेज
रेल्वे लाईन छत्तीसगढ़ रेलवे परियोजना
जिला मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (छत्तीसगढ़)

पुलिस ने बुका पिकनिक स्पॉट में छूटे बच्चे को परिवार से मिलाया

-संवाददाता-
कोरबा,29 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

रेलवे लोको पायलट दिलीप पोर्ते का पांच वर्ष का बच्चा आखिरकार परिवार को मिल गया, जो जिले के पिकनिक स्पॉट बुका में छूट गया था। बांगो पुलिस ने इस मामले में तत्परता से कार्यवाही की। बताया जा रहा हैं कि भिलाई से रेलवे लोको पायलट दिलीप पोर्ते करीब 1 बजे अपने परिवार के साथ बुका पिकनिक स्थल पहुंचे थे। पिकनिक स्थल का निरीक्षण कर रहे पुलिसकर्मियों को जय प्रकाश यादव एवं गजेंद्र पिकनिक स्थल के कैंटीन के पास एक 5 साल का बच्चा अकेले खेलते हुए दिखाई दिया। संदेह होने पर सिपाही ने बच्चे से पूछताछ की,जिस पर बच्चा रोने लगा। मालूम चला कि जल्दबाजी में परिजन यहां से चले गए हैं और बच्चा छूट गया है। बालक ने अपना नाम तक्ष पोर्ते बताया जो एंजल पब्लिक स्कूल, गांव गोड़पार,चरोदा (भिलाई) का छात्र है। उसने पिता के बारे में जानकारी दी। बांगो थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा के निर्देश पर एसआई राठौर के नेतृत्व में बांगो पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। स्कूल का नाम सर्च कर प्रिंसिपल से संपर्क किया गया,लेकिन परिजनों का नंबर नहीं मिल सका। इसके बाद चरोदा थाना प्रभारी और दुर्ग कंट्रोल रूम से संपर्क किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद एक सिपाही ने बच्चे के पिता का मोबाइल नंबर जुटाया। इसके बाद पिता से संपर्क करने पर मालूम चला कि यह सब गलतफहमी के चक्कर में हुआ। पुलिस ने उन्हें बताया कि बच्चा उनके पास सुरक्षित है। इसके बाद परिजन बांगो आए और बच्चे को अपनी सुपुर्दगी में लिया। पुलिस ने कहा कि विभिन्न स्पॉट में जाने वाले लोगों को खुशियां साझा करने के साथ बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि हड़बड़ी में कोई अनहोनी न हो जाए।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

<u>**ईश्तहार**</u>

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रभान मिश्रा पिता मदन मोहन, जसवन मिश्रा पिता चन्द्रभान मिश्रा जाति ब्राहम्ण निवासी मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 1789/41 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति,आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो,तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

हां मैं मोटी हूं...डिप्रेशन के बाद आमिर खा की बेटी का हुआ ऐसा हाल?

खुलकर बात की है। इरा ने बताया कि डिप्रेशन की वजह से उनकी बॉडी पर क्या इफेक्ट पड़े।

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की बेटी इरा खान अक्सर मेंटल हेल्थ इश्यू पर खुलकर बात करती आई हैं। वहीं अब उन्होंने अपने मोटापे को लेकर खुलकर अपनी भावनाएं फैंस के साथ शेयर की हैं।

बॉडी इमेज को लेकर इरा ने शेयर की फीलिंग्स

एक्टर आमिर खान की बेटी इरा खान ने बॉडी इमेज को लेकर अपनी पर्सनल मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की है। अपने विचारों को खुलकर शेयर करते हुए,उन्होंने माना कि इन भावनाओं का सामना करना थोड़ा डरावना लगता है। इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया पोस्ट में, इरा ने बताया कि वह 2020 से खुद को अनफिट, ओवरवेट और मोटा महसूस करने के बीच झूल रही हैं। उन्होंने माना कि अभी भी बहुत कुछ है जो वह अपने और अपने शरीर के बारे में समझने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उन्होंने एक छोटा,पॉजिटिव बदलाव देखा है जिसने उन्हें इस बारे में पब्लिकली बात करने के लिए मोटिवेट किया।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए इरा ने लिखा, हां मैं मोटी हूं। 2020 से मैं मोटी/अनफिट होने, ओवरवेट होने और मोटापे के बीच झूल रही हूं। इसके बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है। निश्चित रूप से कुछ चीजें हैं जिन्हें मुझे अभी भी समझने की जरूरत है। लेकिन मुझे लगता है कि कम से कम थोड़ा बदलाव बेहतर के लिए हुआ है, इसलिए मैंने इसके बारे में बात करना/शेयर करना शुरू करने का फैसला किया है।

उन्होंने आगे कहा,हो सकता है कि मैं उतनी अच्छी तरह से या आत्मविश्वास से बात न कर पाऊं जितनी मैंने अपने डिप्रेशन के बारे में बात करते समय की थी। उसके विपरीत, यह थोड़ा डरावना लगता है। लेकिन मुझे सच में लगता है कि इसके बारे में बात करने की जरूरत है। मुझे कोई डायग्नोस्ड ईटिंग डिसऑर्डर नहीं है और मैं कोई एक्सपर्ट भी नहीं हूं। बस अपने अनुभव शेयर कर रही हूं।

बॉडी इमेज को लेकर इरा ने की खुलकर बात

आमिर खान की बेटी इरा खान हमेशा से मेंटल हेल्थ और डिप्रेशन को लेकर मुखर रही हैं। अब उन्होंने मोटापे को लेकर भी

डिप्रेशन से जूझ चुकी हैं

आमिर की बेटी

वीडियो में इरा खान ने कहा, चलिए सबसे बड़ी बात पर आते हैं,मैं। हां,मैं मोटी हूं और अपनी उम्र और हाइट के हिसाब से मैं सच में ओबीस हूं। मैं 2020 से बॉडी इमेज इश्यूज और खाने के साथ अपने रिश्ते को लेकर स्ट्रगल कर रही हूं। यह मेरे दोस्तों की जिंदगी में शामिल होने की मेरी क्षमता, पोपोय के साथ मेरे रिश्ते में मेरे व्यवहार, मेरे सेल्फ-वर्थ और फिर काम और हर चीज के बीच आ रहा है,इस तरह से कि मैं कहूंगी कि यह उतना ही इंटेंस है जितना मेरा डिप्रेशन मेरी जिंदगी में दखल देता था और कभी-कभी अभी भी देता है। और इसलिए, मैं इस बारे में बात करना चाहती हूं। मैं यह समझने की कोशिश करना चाहती हूं कि मैं क्या सोचती हूं, क्या सोच रही हूं, किन चीजों से जूझ रही हूं, अभी भी जूझ रही हूं, बस यह सब। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे मदद मिलेगी। अगर इससे आपको मदद मिलती है, तो प्लस पॉइंट्स।

इरा खान ने पहले भी डिप्रेशन के साथ अपनी लंबी लड़ाई के बारे में बात की थी, यह मानते हुए कि वह जिस प्रिविलेज्ड जिंदगी से आती हैं,उसकी वजह से उन्हें गिल्ट महसूस होता था।

खुद को खुदा समझ बैठा था बॉलीवुड का पहला सुपरस्टार,अपने ही हाथों करियर की लगाई लंका

फिल्म इंडस्ट्री में स्टारडम पाना हर एक्टर का ख्वाब होता है और इस ख्वाब को बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना ने हकीकत में जिया है। लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया जब सुपरस्टार को इस स्टारडम का घमंड हुआ और उन्होंने इसे हल्के में लेना शुरू कर दिया। यहां तक कि वे खुद को भगवान जैसा समझने लगे थे और नतीजा ये हुआ कि इसकी कीमत उन्हें अपने करियर से चुकाने पड़ी, क्योंकि एक वक्त पर उनकी फिल्में बैक-टू-बैक फ्लॉप होने लगी थीं।

कहते हैं ना, अति किसी भी चीज के लिए हानिकारक होती है फिर चाहे वह सफलता ही क्यों ना हो। बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना की जिंदगी में एक ऐसा दौर था जब उनकी बैक टू बैक फिल्में हिट हो रही थीं, लड़कियों की दीवानगी उनके लिए इतनी बढ़ गई थी कि उनके घर के बाहर खड़ी सफेद गाड़ी वे अपनी लिपस्टिक से लाल कर देती थीं। डायरेक्टर, फिल्ममेकर्स की लिस्ट में राजेश खन्ना नंबर वन पर थे। बस इस सफलता ने राजेश खन्ना को कुछ ज्यादा आत्मविश्वासी बना दिया जिससे वे खुद को खुदा समझ बैठे। लेकिन इसी ज्यादा आत्मविश्वास ने उनके करियर को बिगाड़ने का काम भी किया। यानि बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार का किरदार किसी और ने नहीं बल्कि उनके खुद के हाथों ने बिगाड़ा। भारत के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना, जिनके नाम लगातार 17 हिट फिल्में देने का रिकॉर्ड आज भी है, ने बताया कि उन्हें अपने सुपरस्टारडम और सफलता की वजह से ऐसा लगता था कि वह भगवान के बाद दूसरे नंबर पर हैं।

मई 1990 में अमिताभ बच्चन के साथ एक जॉइंट इंटरव्यू के दौरान, राजेश खन्ना ने उस पल के बारे में बताया जब उन्हें एहसास हुआ कि सफलता ने उन पर क्या असर डाला था। खन्ना ने कहा, %मुझे लगा कि मैं भगवान के बाद दूसरे नंबर पर हूं! मुझे आज भी वह पल याद है, जब पहली बार मुझे एहसास हुआ कि सफलता कितनी जबरदस्त हो सकती है। यह आपको पूरी तरह से बदल देती है, या फिर आप इंसान नहीं हैं?

जब अपने करियर की लगाई लंका

जब राजेश खन्ना को भारी सफलताएं मिलती गईं तो इसे उन्होंने हल्के में लेना शुरू कर दिया। राजेश खन्ना को इस बात का अहंकार आ गया और वे अपने मनमुताबिक व्यवहार करने लगे। शूटिंग पर 7-8 घंटे देरी से पहुंचना उनके लिए आम बात हो गई थी। उस वक्त अमिताभ बच्चन,धर्मेंद्र,जितेंद्र जैसे सितारे इंडस्ट्री में अपने पैर जमा रहे थे और तभी राजेश खन्ना के हाथों से फिल्में जाने लगीं क्योंकि फिल्ममेकर्स को उनका रिप्लेसमेंट मिल रहा था। इसके बाद उन्हें फिल्में मिलना कम हो गईं। 80 के दशक तक आते-आते उन्होंने साइड रोल किए और 2000 के दशक में उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। साल 2012 में राजेश खन्ना का निधन हो गया। आज 29 दिसंबर को राजेश खन्ना की 83वीं बर्थ एनिवर्सरी है।

राजेश खन्ना ने 1973 में डिंपल कपाड़िया से शादी की थी और उनकी दो बेटियां हैं- ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना। अक्षय कुमार उनके दामाद हैं जिन्होंने ट्विंकल खन्ना से शादी की।

खेल समाचार

नीरू ढांडा ने महिलाओं के ट्रैप में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली,29 दिसम्बर 2025। एशियाई चैंपियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट नीरू ढांडा ने सोमवार को डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं (शॉटगन) में महिलाओं के ट्रैप इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। नीरू ने फाइनल में 41 हिट्स के साथ टॉप पर रहीं, उन्होंने दिल्ली की कीर्ति गुप्ता की कड़ी चुनौती का सामना किया, जिन्हें 40 हिट्स के साथ सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

नीरू की मध्य प्रदेश की राज्य टीम की साथी प्रगति दुबे ने 32 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीतकर पोडियम पूरा किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में, प्रगति 117 के स्कोर के साथ सबसे ऊपर रहीं, उसके बाद नीरू 114 और राजेश्वरी कुमारी 113 पर रहीं। आद्या कात्याल 112 के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि प्रीति रजक (111+1) और कीर्ति गुप्ता (111) टॉप छह में शामिल रहीं, उनकी पोजीशन शूट-आउट स्कोर के आधार पर तय की गई। फाइनल में, दिल्ली की आद्या कात्याल 27 के साथ चौथे स्थान पर रहीं, उसके बाद प्रीति रजक 21 और पंजाब की ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी 17 हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहीं। जूनियर पुरुषों के ट्रैप फाइनल में आर्यावंश त्यागी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 शॉट लगाकर गोल्ड मेडल जीता। पंजाब के केशव चौहान ने 37 के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि उत्तर प्रदेश के जुहैर खान ने 30 के साथ कांस्य पदक जीता।

कोहली विजय हजारे में एक और मैच खेलेंगे

रेलवेज के खिलाफ 6 जनवरी को उतरेंगे

नई दिल्ली,29 दिसम्बर 2025। विराट कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में एक और मैच खेलते दिखेंगे। रविवार को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इसकी पुष्टि की। उनके मुताबिक कोहली ने दिल्ली के लिए तीन मैच खेलने की बात कही है।

बीसीसीआई के अनुसार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को कम से कम दो विजय हजारे मैच खेलने थे, लेकिन कोहली एक अतिरिक्त मैच भी खेलना चाहते हैं। कोहली 6 जनवरी को रेलवेज के खिलाफ मैच खेलेंगे। यह मुकाबला बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा।

पहले मैच में शतक लगाया

कोहली ने पहले दो मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहले ही मैच में सेंचुरी लगाते हुए 131 रन बनाए थे। वहीं दूसरे मैच 77 रन की

पारी खेली थी। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। पहले मैच के दौरान वे सबसे तेज 16 हजार लिस्ट-ए रन पूरे करने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने यह आंकड़ा 330 पारियों में छुआ और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने यह उपलब्धि 391 पारियों में हासिल की थी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम 8 जनवरी तक वडोदरा में जुटेगी। संभावना है कि कोहली एक दिन पहले पहुंचकर अभ्यास कर सकते हैं। तीन मैचों की वनडे सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी।

हार्दिक-जसप्रीत को रेस्ट दिया जा सकता है...

इस बीच खबर है कि हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत वनडे सीरीज से आराम दिया जाएगा। दोनों खिलाड़ी 7 फरवरी से शुरू होने वाले घरेलू टी20 वर्ल्ड क प के लिए तैयारी करेंगे।

परिसम्पतियो का गणना पत्रक – ख

ग्राम– खैरबना तहसील– मनेंद्रगढ जिला– मनेंद्रगढ–चिरमिरी–भरतपुर (छ०ग०)

क.	हितबध्द व्यक्ति/भूमि स्वामी का नाम	खसरा नम्बर	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (रकबा)	परिसम्पतियों का विवरण	परिसम्पतियों की संख्या	परिसम्पतियों का माप (मीटर में)	परिसम्पतियों का क्षेत्रफल (वर्ग मी./से.मी.)	दर	परिसम्पतियों का मुआवजा राशि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	गुलाम नबी आ0 जयारत खान	322/1	0.38	टीन शेड/एस्बेस्टस शीट का संरचना	1	-	176.53sqm	7532.00	1329623.96
				कच्चा मिट्टी का कबेलू पोश	1	0	260.29sqm	1261.00	328225.69
				कॉलम सिस्टम/पाईपिंग आर.सी.सी. छतयुक्त निर्मित मकान	1	-	29.16sqm	12374.00	252578.09
2	गुलामरसूल आ0 जयारत खान	322/2	0.8	टीन शेड/एस्बेस्टस शीट का संरचना	1	-	151.70sqm	7532.00	1142604.40
				कच्चा मिट्टी का कबेलू पोश	1	0	353.49sqm	1261.00	445750.89
				कॉलम सिस्टम/पाईपिंग आर.सी.सी. छतयुक्त निर्मित मकान	1	-	55.85sqm	12374.00	483761.53
3	चमन पिता बुढ़ा	249	0.12	टीन शेड/एस्बेस्टस शीट का संरचना	1	-	101.80sqm	7532.00	766757.60
				कच्चा मिट्टी का कबेलू पोश	1	0	146.80sqm	1261.00	185114.80
				बाउण्ड्रीवाल	1	-	6.40sqm	4304.00	27545.60
	योग								49,61,963

परिसम्पतियो का गणना पत्रक – ग

ग्राम– खैरबना तहसील– मनेंद्रगढ जिला– मनेंद्रगढ–चिरमिरी–भरतपुर (छ०ग०)

क.	हितबध्द व्यक्ति/भूमि स्वामी का नाम	खसरा नम्बर	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (रकबा)	परिसम्पतियों का विवरण	परिसम्पतियों का मुआवजा राशि
1	2	3	4	5	6
1	कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी	249	-	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पाईप लाईन कनेक्शन	702000.00
2	कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी	322/1	-	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पाईप लाईन कनेक्शन	483000.00
3	कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी	322/2	-	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पाईप लाईन कनेक्शन	777000.00
4	कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी	323	-	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पाईप लाईन कनेक्शन	597000.00
5	जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला एमसीबी	327	-	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पाईप लाईन कनेक्शन	453000.00
	योग				30,12,000

जी. नंबर-46375/2

गंगा किंग्स ने तीसरी हार के बाद जीत हासिल की

नोएडा,29 दिसम्बर 2025। मिर्जापुर के गंगा किंग्स ने आखिरकार उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीज़न 2 में अपना खाता खोल लिया है। उन्होंने नोएडा इंडोर स्टेडियम में पांचवें दिन के पहले मैच में जेडी नोएडा निन्जास को कड़े मुकाबले में दो अंकों से हराया। मुकाबला बराबरी पर शुरू हुआ, दोनों टीमों ने शुरुआती पलों में एक-दूसरे को पॉइंट्स दिए। पहले हाफ में जेडी नोएडा निन्जास ने धीरे-धीरे आक्रामक रेडिंग से मैच पर कंट्रोल कर लिया और हाफ टाइम तक आठ अंकों की बढ़त बना ली। इसमें सबसे बड़ा योगदान रचित यादव का था, जिन्होंने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए अटैक में काफी नुकसान पहुंचाया। ब्रेक के बाद मैच का रुख पूरी तरह से बदल गया, जब मिर्जापुर के गंगा किंग्स ने अपनी तीव्रता बढ़ा दी। एक महत्वपूर्ण सुपर रेड, जिसमें तीन खिलाड़ी आउट हुए, ने जोरदार वापसी की शुरुआत की। इसके बाद गंगा ने ऑल-आउट करके अंतर को काफी कम कर दिया और मुकाबले को फिर से बराबरी पर ला दिया। इस बदलाव से उत्साहित होकर, गंगा किंग्स ने एक और ऑल-आउट करके तीन अंकों की बढ़त बना ली। उनके डिफेंसिव यूनिट ने दूसरे हाफ में मिलकर काम किया और रचित यादव को शांत रखा, जिससे जेडी नोएडा पहले हाफ के प्रदर्शन के बावजूद कंट्रोल वापस नहीं पा सकी।जेडी नोएडा निन्जास ने आखिर में वापसी की कोशिश की, लेकिन गंगा किंग्स के लिए अमित नागर ने सही समय पर रेड करके आखिरी पलों में मामूली बढ़त बनाए रखने में मदद की। गंगा किंग्स ने आखिरी पलों में धैर्य बनाए रखा और एक बहुत ज़रूरी जीत हासिल की। इस नतीजे ने लगातार तीन हार के बाद मिर्जापुर के गंगा किंग्स की तरफ से एक महत्वपूर्ण जवाब दिया ।

CMYK

आईपीएस जितेंद्र शुक्ला बने एनएसजी में ग्रुप कमांडर

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को भेजा पत्र,तत्काल रिलीव करने का आदेश

रायपुर,29 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के आईपीएस अधिकारी जितेंद्र शुक्ला को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में ग्रुप कमांडर के पद पर नियुक्त किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर जानकारी दी है। उन्हें तत्काल कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया है कि 2013 बैच के अधिकारी जितेंद्र शुक्ला को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के तहत एनएसजी में एसपी स्तर के पद पर नियुक्त किया गया है। जितेंद्र शुक्ला मूलतः उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (प्रयागराज) के रहने वाले हैं। उनका जन्म 22 सितंबर 1983 को हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद के राजकीय इंटर कॉलेज से स्कूली शिक्षा पूरी की और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए के बाद भूगोल विषय में एमए किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की।

2013 में ज्वाइन की आईपीएस सर्विस...

जितेंद्र शुक्ला ने 2 सितंबर 2013 को आईपीएस सेवा ज्वाइन की। प्रशिक्षण के दौरान वे बिलासपुर में रहे और कोटा थाना प्रभारी के रूप में काम किया। इसके बाद वे अंबिकापुर में सीएसपी,सुकमा में एडिशनल एसपी रहे। उन्होंने सुकमा,महासमुंद, कोरबा, राजनांदगांव और दुर्ग जैसे जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

नक्सलियों की साजिश नाकाम,सुरक्षा बलों ने बरामद किया 10 किलो का आईईडी बम,मौके पर ही किया नष्ट

बीजापुर,29 दिसम्बर 2025। जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र मुनगा-पेद्दाकोरमा इलाके में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी नक्सली साजिश को नाकाम किया है। सोमवार को डीआरजी बीजापुर, थाना गंगालूर एवं बीडीएस की संयुक्त टीम क्षेत्र में अभियान पर निकली थी। इस दौरान माओवादियों द्वारा लगाया गया 10 किलोग्राम वजनी आईईडी बरामद किया गया और मौके पर ही सुरक्षित नष्ट किया गया। जानकारी के अनुसार, संयुक्त सुरक्षा बल अभियान के दौरान डीमाइनिंग कार्रवाई करते हुए मुनगा रोड से कुछ दूरी पर पगडंडी मार्ग में यह आईईडी पाया। सूचना मिलते ही बीडीएस बीजापुर की टीम को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उक्त आईईडी को मौके पर ही सुरक्षित नष्ट किया। सुरक्षा बलों की सतर्कता, सूझ-बूझ और त्वरित कार्रवाई से किसी भी प्रकार की जनहानि की आशंका टल गई और माओवादियों की नापाक साजिश विफल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए सर्चिंग एवं एरिया डॉमिनेशन अभियान लगातार जारी है।

गणतंत्र दिवस पर छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन

कर्तव्य पथ पर दिखेगा जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश का पहला डिजिटल संग्रहालय

रायपुर,29 दिसम्बर 2025। गणतंत्र दिवस समारोह में इस साल नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की विशिष्ट झांकी देशभर के लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने छत्तीसगढ़ की झांकी को मुख्य समारोह के लिए चयनित किया है, जिसमें जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश के पहले डिजिटल संग्रहालय की झलक दिखाई जाएगी। इस डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर में किया था। झांकी के चयन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके माध्यम से आदिवासी समाज की देशभक्ति, अदम्य साहस और बलिदान की परंपरा पूरे देश के सामने प्रस्तुत होगी। यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। जनसंपर्क विभाग के सचिव रोहित यादव ने बताया कि, गणतंत्र दिवस झांकी के लिए सभी राज्यों से प्रस्ताव मंगाए गए थे। करीब चार महीने चली चयन प्रक्रिया के बाद 17 राज्यों की झांकियों को अंतिम सूची में शामिल किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ को भी स्थान मिला। विशेषज्ञ समिति ने झांकी की विषयवस्तु और डिजाइन की विशेष रूप से सराहना की।

भारत-माला प्रोजेक्ट घोटाला...9 ठिकानों पर ईडी रेड

रायपुर में हरमीत खनूजा,हरमीत चावला,महासमुंद में जसबीर के घर छापा

10 सदस्यीय टीम खंगाल रही दस्तावेज

रायपुर/महासमुंद,29 दिसम्बर 2025। भारत मामला प्रोजेक्ट घोटाला केस में ईडी ने छत्तीसगढ़ के 9 ठिकानों पर रेड की है। रायपुर में हरमीत सिंह खनूजा और महासमुंद में मेघ बसंत इलाके में स्थित व्यवसायी जसबीर सिंह बग्गा के निवास पर छापेमारी की है। हरमीत खनूजा के ससुर हरमीत चावला और एक करीबी के घर पर कार्रवाई जारी है।जानकारी के मुताबिक सीआरपीएफ जवानों के साथ ईडी की 10 सदस्यीय टीम 4 गाड़ियों में सुबह पहुंची। टीम हरमीत खनूजा की तहसीलदार पत्नी रविंदर कौर (रूबी) के पिता ट्रांसपोर्टर हरमीत सिंह चावला के पंजाबीपारा स्थित घर में जांच कर रही है। हरमीत सिंह चावला हरमीत खनूजा के ससुर हैं। इसके साथ ही आर्यन होंडा एजेंसी के संचालक जसबीर बग्गा के मेघ बसंत कॉलोनी स्थित निवास पर गई है। आरोपियों के घरों में ईडी डिजिटल सबूत और दस्तावेजों की जांच कर रही है। घोटाले से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है। ईडी के मुताबिक भारत माला परियोजना के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण में मुआवजा भुगतान को लेकर गड़बड़ी हुई है। फिलहाल आरोपियों के ठिकानों के बाहर सुरक्षा बल तैनात हैं। किसी भी व्यक्ति को घर के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, भारत माला परियोजना के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक कॉरिडोर भुगतान घोटाले में हरमीत सिंह खनूजा मुख्य आरोपी और जमीन दलाल है। हरमीत खनूजा ने अपनी पहली पत्नी को तलाक देकर हरमीत सिंह चावला की बेटी तहसीलदार रविंदर कौर से शादी की थी। ईडी की छानबीन में आरोपी के ससुर हरमीत सिंह चावला के पास घोटाले से जुड़े पैसों के लेनदेन और महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। दोनों कारोबारियों के घरों से अब तक क्या मिला है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। ईडी की टीमें अभी भी डिजिटल साक्ष्य और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है।

कौन हैं हरमीत सिंह खनूजा : हरमीत सिंह खनूजा छत्तीसगढ़ के रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक कॉरिडोर से जुड़े भूमि क्षतिपूर्ति भुगतान घोटाले में नामजद एक भूमि दलाल/ एजेंट हैं। आरोप है कि उन्होंने भूमि अधिग्रहण के मुआवजे को फर्जी तरीके से हासिल करने/बंटवाने में मदद की, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ। उन्होंने कागजों में फर्जी दस्तावेज, नकली बंटवारे और म्यूटेशन (बदलाव) कर के मुआवजा प्राप्त किया और पैसा अलग खातों में ट्रांसफर किया।

जांच के दायरे में सरकारी अधिकारी भी...

ईडी के मुताबिक भूमि अधिग्रहण के दौरान मुआवजा राशि के निर्धारण और भुगतान में गड़बड़ियों में कई लोगों के नाम शामिल हैं। जांच के दायरे में कुछ निजी व्यक्तियों, उनके सहयोगियों, सरकारी अधिकारियों और जमीन मालिकों के ठिकाने शामिल किए गए हैं। ईडी की कार्रवाई हरमीत सिंह खनूजा,सहयोगी,कुछ सरकारी अधिकारी और भूमि अधिग्रहण से जुड़े जमीन मालिक शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मुआवजा वितरण में नियमों के उल्लंघन और संदिग्ध लेन-देन को लेकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

राजधानी में कांग्रेस का हल्लाबोल...राशन और राशन कार्ड की विसंगतियों को लेकर किया प्रदर्शन,10 दिन का दिया अल्टीमेटम

रायपुर,29 दिसम्बर 2025। राजधानी रायपुर की जनता राशन के लिए परेशान हो रही है। उन्हें तकनीकी दिक्कतों के कारण राशन नहीं मिल पा रहा है। इसी मुद्दे पर रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को राजधानी में जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित खाद्य विभाग कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस नेताओं ने खाद्य संचालक जितेंद्र शुक्ला को ज्ञापन सौंपा और आम जनता को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। यह प्रदर्शन शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री कुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शहर और आसपास के इलाकों में कई जरूरतमंद परिवारों को एक से लेकर तीन-चार महीनों से राशन नहीं मिल पा रहा है। इसके कारण गरीब और वंचित वर्ग भुखमरी की स्थिति में पहुंच रहा है।

प्रशासन को कांग्रेस ने दिया 10 दिन का अल्टीमेटम : मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस ने प्रशासन को 10 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। इस अवधि में अगर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन करेगी। वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद दुबे ने बताया कि कुष्ठ बस्तियों में रहने वाले लोगों को भी राशन नहीं मिल पा रहा है। उनका कहना है कि कई लोगों के फिंगरप्रिंट का एनालिसिस नहीं हो पा रहा, जिसके कारण उन्हें राशन से वंचित किया जा रहा है। ऐसे लोग लंबे समय से विभाग के चक्कर काट रहे हैं और बेहद परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि तकनीकी दिक्कतों का तुरंत समाधान कर इन परिवारों को राहत दी जाए। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि राशन और राशन कार्ड से जुड़ी विसंगतियों को लेकर आज कलेक्ट्रेट में अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की गई और ज्ञापन सौंपा गया है। अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने दो टूक कहा कि कांग्रेस गरीबों के हक की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी।

सभी समस्याओं का जल्द होगा निराकरण : खाद्य संचालक

खाद्य संचालक जितेंद्र शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा रखी गई समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है। जिन हितग्राहियों के फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं हो पा रहा है, उन्हें नॉमिनी बनाए जाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, ताकि उन्हें समय पर राशन मिल सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण किया जाएगा।

रायपुर में कवि कुमार विश्वास ने केंद्र सरकार से की ये खास मांग

रायपुर,29 दिसम्बर 2025। 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम के लिए रायपुर पहुंचे कवि कुमार विश्वास ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार पर चिंता जताई और इस घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा, इस घटना पर भारत सरकार को कठोरता से संज्ञान लेना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार इस पर विचार कर रही होगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 27 दिसंबर को बांग्लादेश के पिरोजपुर के डुमरीटोला गांव में साहा परिवार के घर के कई कमरों को अज्ञात बदमाशों ने आग के हवाले कर दिया. पिरोजपुर की यह घटना उस घटना के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है,जब दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटग्राम के पास एक और हिंदू परिवार के घर में आग लगा दी गई थी. परिवार के सदस्यों ने बताया कि तड़के सुबह तेज गर्मी से उनकी नींद खुली, लेकिन दरवाजे बाहर से बंद होने की वजह से वो शुरू में घर के अंदर ही फंसे रह गए। प्रभावित दोनों परिवारों के सभी 8 सदस्य टीन की चादरें और बांस की बाड़ काटकर किसी तरह बाहर निकल पाए। हालांकि, उनका घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया और उनके पालतू जानवर मारे गए. पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान 5 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि बाकी आरोपियों को पकड़ने की कोशिश जारी है।

15वें वित्त की राशि नहीं मिलने पर पंचायत प्रतिनिधियों का आक्रोश रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

महासमुंद,29 दिसम्बर 2025। 15वें वित्त आयोग की वर्ष 2025-26 की मूलभूत राशि अब तक जारी नहीं होने से जिले के पंचायत प्रतिनिधियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. सोमवार को सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य एकजुट होकर जनपद पंचायत महासमुंद परिसर में एकत्र हुए और रैली निकालते हुए जिला पंचायत पहुंचे. प्रतिनिधियों ने जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र राशि आवंटन का प्रस्ताव शासन को भेजने की मांग की. पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि 15वें वित्त आयोग की राशि नहीं मिलने से पंचायतों में साफ-सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, मरम्मत कार्य और अन्य मूलभूत सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं. इससे पंचायती राज संस्थाओं की कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है. उन्होंने बताया कि आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्वच्छता, सजावट, ध्वजारोहण,सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए भी पंचायतों के पास कोई राशि उपलब्ध नहीं है.

जबकि पूर्व वर्षों में 15वें वित्त की राशि 15 अगस्त या उससे पहले ही जारी कर दी जाती थी. पंचायत प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही राशि आवंटन का प्रस्ताव नहीं भेजा गया तो वे मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने को मजबूर होंगे.

दूसरे जिले में तबादला होने पर वरिष्ठता नहीं होगी प्रभावित शिक्षक एलबी की याचिका पर हाई कोर्ट का अहम फैसला

बिलासपुर,29 दिसम्बर 2025। शिक्षक एलबी के अंतरजिला तबादले और वरिष्ठता को लेकर बिलासपुर हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। इस मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस एके प्रसाद के सिंगल बेंच ने अपने फैसले में लिखा है कि स्थानान्तरण स्थान पर जाने पर वरिष्ठता में परिवर्तन नहीं किया जाएगा। फैसले के मुताबिक यदि किसी कर्मचारी को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है, तो संबंधित जगह पर ज्वाइनिंग करने के बाद उसकी सेवा के सभी प्रयोजनों के लिए यह घोषित नहीं किया जा सकता कि पोस्टिंग के नए स्थान में शामिल होने पर वह जूनियर बन जाता है। यदि इस आशय का कोई परिपत्र पारित कर दिया गया है, तो भी वह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन होगा। किसी अन्य जिले में उसके स्थानांतरण के आधार पर किसी को जूनियर घोषित नहीं किया जा सकता है। शिक्षक एलबी की याचिका पर हाई कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। याचिकाकर्ता शिक्षक को ग्रेडेशन लिस्ट में वरिष्ठता देने और प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नत करने का आदेश राज्य शासन को दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 16 मार्च 2021 जारी ग्रेडेशन सूची में याचिकाकर्ताओं को उनके जूनियर्स के नीचे हेड मास्टर, प्राइमरी स्कूल के कैडर में रखा गया है, जिसके कारण उन्हें हेड मास्टर, प्री मिडिल स्कूल के पद पर पदोन्नति के लिए बाहर कर दिया गया है। याचिकाकर्ता शिक्षकों द्वारा सभी रिट याचिकाओं में जो राहतें मांगी गई हैं, वे तकरीबन एक समान है। हालांकि, इन याचिकाओं, में ओंकार प्रसाद वर्मा और अन्य विरुद्ध छत्तीसगढ़ राज्य और अन्य, इन मामलों में शामिल मुद्दों को तय करने के लिए प्रमुख याचिका के रूप में लिया गया है। याचिकाकर्ता शिक्षकों ने शिक्षक ई कैडर और प्रधान पाठक प्राथमिक विद्यालय की वरिष्ठता सूची को फिर से तैयार करने और उसके बाद प्रधान पाठक, मिडिल स्कूल के पद पर पदोन्नति की मांग की थी। याचिकाकर्ता शिक्षकों ने 10 दिसंबर 2010 से प्रधान पाठक, प्राथमिक विद्यालय के पद पर सभी परिणामी लाभों के साथ शामिल होने की तारीख से, प्रधान पाठक, प्राथमिक विद्यालय के पद पर वरिष्ठता प्रदान करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता शिक्षकों ने नियुक्ति आदेश 10 दिसंबर 2010 के अनुसार उचित वरिष्ठता प्रदान करने की मांग की थी।

गरियाबंद में पुरानी रंजिश में युवक की हत्या,11 आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद,29 दिसम्बर 2025। गरियाबंद पुलिस ने देवरी गांव में हुए एक आदतन अपराधी की हत्या की गुत्थी 24 घंटे के भीतर सुलझा ली है। इस मामले में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मृतक की पहचान हितेश्वर तारक उर्फ चंदू तारक के रूप में हुई है। यह घटना 28 दिसंबर 2025 की रात करीब 11 बजे राजिम थाना क्षेत्र के देवरी गांव में कोपरा से बोरसी रोड के किनारे हुई थी। मृतक के पिता गोपी राम तारक (58) ने राजिम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके बेटे हितेश्वर को गांव के 11 लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते घर से जबरदस्ती घसीटकर ले गए और उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों ने राजिम थाना प्रभारी को आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

रायगढ़ कोल खदान बवाल..जनसुनवाई का आवेदन वापस लेगी जेपीएल

महिला आईटी को लात मारी थी,पुलिस गाड़ी,एंबुलेंस जलाई,18 दिन से जारी प्रदर्शन

रायगढ़,29 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ 14 गांव के ग्रामीण 18 दिनों से धरने पर बैठे हैं। लिबरा रोड पर ग्रामीणों ने पेड़ काट कर सड़क पर रख दिया है, ताकि कोई आगे न आ सके। प्रदर्शनकारियों का कहना है जब तक फैसला वापस लेने का आदेश नहीं मिल जाता, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। सोमवार को JPL प्रबंधन की ओर से कलेक्टर के नाम एक पत्र जारी किया गया है। जिसमें जन सुनवाई के लिए दिए गए आवेदन को वापस लेने की बात कही गई है। पत्र में लिखा गया है कि 'गारे पेल्मा सेक्टर-1 कोयला खदान की 8 दिसंबर 2025 की जनसुनवाई के विरोध में 12 दिसंबर से धरना दिया गया। 27 दिसंबर को पुलिस और हमारे कर्मचारियों पर जानलेवा हमला हुआ,कई लोगों को गंभीर चोटें आईं और कोल हैंडलिंग प्लांट में आगजनी की गई, जिससे कंपनी को भारी नुकसान हुआ। इन परिस्थितियों को देखते हुए कलेक्टर, रायगढ़ ने जनसुनवाई को निरस्त करने पत्र लिखा था। जिंदल ग्रुप सदैव जनभावनाओं का सम्मान करता आया है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए हम जनसुनवाई के लिए दिए गए आवेदन को वापस लेने का फैसला लेते हैं। जब तक इस विषय में ग्रामवासियों का समर्थन प्राप्त नहीं होगा, तब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।'

कांग्रेस ने बनाई 9 सदस्यों की जांच कमेटी : 27 दिसंबर को हुई हिंसा को लेकर कांग्रेस ने 9 सदस्यों की एक जांच कमेटी बनाई है। इसकी अध्यक्षता सीनियर नेता और पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू करेंगे। कमेटी के दूसरे सदस्यों में शिवकुमार डहरिया,उमेश पटेल, विधायक लालजीत राठिया, विधायक इंद्रशाह मंडावी, विधायक उत्तरी जांगड़े,विधायक जनक ध्रुव, नागेंद्र नेगी और शाखा यादव शामिल हैं। यह कमेटी प्रभावित इलाके का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज आज रायगढ़ पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज हम लोग तमनार जा रहे हैं। हमारे साथ जांच दल के सदस्य भी हैं। बैज ने कहा कि कोई भी आंदोलन हो शांतिपूर्वक होना चाहिए। आंदोलन को हिंसा का रूप किसने दिया, कौन उकसाया और गिरफ्तारियां क्यों की गई। जिससे ग्रामीण आक्रोशित हुए इस मसले की जांच होनी चाहिए। शनिवार को धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों को हटाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था।

अयोध्या के महंत राजू दास का बड़ा बयान...

कहा...भूपेश बघेल रावण का दूसरा रूप,संतों का कर रहे अपमान...

दुर्ग,29 दिसम्बर 2025। जयंती स्टेडियम दुर्ग में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा का समापन हो गया, लेकिन इस हनुमंत कथा ने कई विवादों को भी जन्म दे दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने पहले धीरेंद्र कृष्ण कृष्ण शास्त्री पर हमला बोला, जिसके जवाब में धीरेंद्र शास्त्री ने भी भूपेश बघेल पर तंज कसते हुए जवाब दिया। इन बयानी जंग के बाद से ही छत्तीसगढ़ में अब यह बहस का मुद्दा बन चुका है। इसी बीच अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने भी भूपेश बघेल पर हमला बोला है। उन्होंने कहा,भूपेश बघेल के परिवार में पांच संत हुए हैं,लेकिन रावण किसका बेटा था, संत का ही बेटा था,प्रकांड विद्वान था ब्राह्मण था, भोलेनाथ को मानता था,लेकिन सनातन संस्कृति को मिटाने का उसने प्रयास किया इसलिए मैं कहता हूं कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रावण का दूसरा रूप है। महंत राजूदास ने कहा, कहीं ना कहीं भूपेश बघेल ईसाई मिशनरियों से प्रेरित है, क्योंकि उनका धंधा बंद होने वाला है। ईसाई मिशनरियों की दुकान पहले बहुत अच्छी चल रही थी। आज धर्मांतरण का धंधा कम हो रहा है इसलिए उन्हें बाबा बागेश्वर और प्रदीप मिश्रा खराब लगते हैं और साधु-संत बीजेपी के एजेंट लगते हैं। महात्मा गांधी की पार्टी के होने के बावजूद ऐसी ओछी टिप्पणी करते हैं। रामराज की परिकल्पना महात्मा गांधी ने की थी, क्या महात्मा गांधी के विचारों को कांग्रेस पार्टी नहीं मानती। किसी का कल्याण करना क्या किसी पार्टी का काम है। उन्होंने कहा, सभी परेशान लोग बाबा बागेश्वर के दरबार में आते हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)